# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 15- मंगलवार 17- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028


## सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर,मौत



**श्रीनगर,16 नवम्बर 2026।** सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक,आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुड़भेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। 11 नवंबर को नौपोरा अखरान में आतंकियों के हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए थे। इसके बाद से सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में बड़ा अभियान जारी है। आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं।

## सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' दिल्ली में लॉन्च

# राजीव नहीं रहे तो टूट गई थी,राहुल-प्रियंका ने माता-पिता बनकर संभाला : सोनिया गांधी

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव सोमवार को दिल्ली में लॉन्च की गई। कार्यक्रम के शुरुआत में सोनिया के जीवन पर शॉर्ट फिल्म दिखाई गई,तो वह भावुक हो गईं। इस दौरान उन्होंने कहा...राजीव गांधी नहीं रहे तो मैं टूट गई थी। राहुल-प्रियंका ने संभाला,वही मेरे माता-पिता बन गए थे। कार्यक्रम में राहुल-प्रियंका के साथ कांग्रेस शासित राज्यों हिमाचल प्रदेश,तेलंगाना,केरलम और कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। सोनिया की किताब 10 नवंबर को ही बाजार में आ चुकी है।

### इंदिरा को मां कहना नहीं चाहती थी : सोनिया गांधी

मैं इंदिरा गांधी से बहुत डरती थी। मुझे समझ नहीं आता था कि उनके पास कैसे जाऊं और उनसे क्या कहूं। मेरे पति और उनके भाई संजय उन्हें 'मां' कहकर बुलाते थे,इसलिए मुझसे भी उम्मीद की जाती थी कि मैं उन्हें मां या मम्मी कहूं। लेकिन मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहती थी। क्योंकि मेरे लिए मां सिर्फ एक ही थीं और वह मेरी अपनी मां थीं,मेरी इतालवी मां। मैं इंदिरा गांधी को अपनी मां नहीं कह सकती थी। इसलिए मैं हमेशा ऐसा तरीका ढूंढती रहती थी कि उनसे सीधे बात करने के बजाय किसी दूसरे तरीके से अपनी बात कह सकूं और मुझे उन्हें मां न कहना पड़े। हालांकि,धीरे-धीरे जब मैं उन्हें समझने लगी और उनके करीब आई,तो उन्हें मां कहना शुरू कर दिया, लेकिन इसमें काफी समय लगा।



### सोनिया बोलीं...राजनीति की शुरुआत में कहते थे आप यहां की नहीं हैं...

सोनिया गांधी ने राजीव के जाने के बाद राजनीति के शुरुआती दिनों के बारे में बताया कि मुझसे कहा जाता था कि आप यहां की नहीं हैं,आपको कुछ नहीं पता। हम यहां रहते हैं,हम जानते हैं। 2004 में जब मैं काफी वोटों से चुनाव जीती, तब जाकर लोगों की राय बदली।

### सोनिया बोलीं...मैं बहुत हिचकिचाती रही हूं...

सोनिया गांधी ने कहा...'मैं हमेशा से अपने अंदर की भावनाओं और चीजों, लोगों और जगहों के बारे में जो महसूस करती हूं,उसे जाहिर करने में बहुत हिचकिचाती रही हूं। इसलिए,मैंने इसे एक तरह से नजरअंदाज कर दिया। लेकिन फिर,धीरे-धीरे, राहुल और प्रियंका दोनों के और मेरी एक प्यारी दोस्त मंजुलिका दुबे के जोर देने पर,मैं किताब लिखने के लिए मान गई। इसका एक कारण यह है कि हमारे बारे में बहुत कुछ कहा जा रहा है। इसमें से ज़्यादातर बातें बिल्कुल झूठी हैं और इसका हमारी असलियत से कोई लेना-देना नहीं है। मुझे लगा कि यह अपनी भावनाओं को जाहिर करने और अपने परिवार के बारे में जो मैं जानती हूं। उसे शेयर करने का एक तरीका होगा। लोग मेरी कहानी सुनने के लिए भी तैयार होंगे। सोनिया ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को आगे आकर राजनीति जॉइन करनी चाहिए। वे हमारे देश का भविष्य हैं। उन्हें अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए।

### राहुल बोले...जिस रेस्त्रां में माता-पिता मिले थे,मैं भी वहां गया था...

कभी कैम्ब्रिज के वार्सिटी रेस्त्रां में मेरे माता-पिता मिले थे। मैं भी जब कैम्ब्रिज गया तो अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रेस्त्रां गया। मैंने वहां जाकर मम्मी-पापा के बारे में पूछा। काफी समय गुजरने के बाद भी वो लोग उन्हें जानते थे। बुक पापा को बिलॉन्ग करती है और वो मां ने लिखी है। बहुत लोग ये जानते हैं कि मां इंट्रोवर्ट हैं,लेकिन सही में वे एक्स्ट्रोवर्ट हैं। वे सबसे काफी बात करती हैं।

### इंदिरा से डरती थी : सोनिया गांधी

इंदिरा का व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली और सख्त था। मैं उन्हें बहुत सम्मान की नजर से देखती थी और उनसे थोड़ा डरती भी थी। कभी-कभी उन्हें गुस्सा आ जाता था, जिससे मुझे अपने पिता की याद आ जाती थी। ऐसे समय में मैं बिल्कुल सहम जाती थी। मेरे पति और उनके भाई संजय चुपचाप बैठकर इंतजार करते थे कि कब उनका गुस्सा शांत हो। हालांकि,ऐसा बहुत कम ही होता था। जब राहुल और प्रियंका का जन्म हुआ,तो इंदिरा गांधी पूरी तरह बदल गईं।

### मैं इंट्रोवर्ट थी : सोनिया गांधी

मैं हमेशा से अपने अंदर की भावनाओं और चीजों, लोगों और जगहों के बारे में जो महसूस करती हूं, उसे जाहिर करने में बहुत हिचकिचाती रही हूं। इसलिए,मैंने इसे एक तरह से नजरअंदाज कर दिया। लेकिन फिर,धीरे-धीरे, राहुल और प्रियंका दोनों के और मेरी एक प्यारी दोस्त मंजुलिका दुबे के जोर देने पर,मैं किताब लिखने के लिए मान गई।

### लोगों ने बहुत प्यार दिया :सोनिया गांधी

मैं लोगों के प्यार और लगाव से बहुत खुश हूं। लोगों ने अपने कमेंट्स में,किताबें खरीदते समय,यहां तक कि क्रिटिक्स में भी जो प्यार और लगाव दिखाया है,उससे मैं बहुत खुश हूं। ये जरूरी हैं। अपनी यादों की किताब,'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' की बुराई पर उन्होंने कहा... कुछ लोग थोड़े बुरे होते हैं। कुछ ज्यादा सच्चे होते हैं और वे वही कहते हैं जो वे सोचते हैं,जो उन्हें कहना चाहिए था। 5. राहुल के नामकरण पर इंदिरा से मतभेद: इंदिरा जी को मां कहने में समय लगा। राहुल का नाम रखा जाना था,लेकिन मुझे भारत में नामकरण परंपरा के बारे में पता नहीं था। इंदिरा जी पंडित बुलाकर नाम रखना चाहती थीं। मैं कह रही थी कि हमारे बच्चे का नाम रखना है तो इसके लिए पंडित क्यों जरूरी है।

# बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म केस...2 दोषियों की उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक,जमानत भी दी...

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो दोषियों को राहत दी है। अदालत ने दोनों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि दोनों दोषी 17 साल से अधिक समय जेल में बिता चुके हैं। साथ ही उनकी अपील में तथ्यों और कानून से जुड़े ऐसे मुद्दे हैं,जिन पर सुनवाई की जरूरत है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने 28 अक्टूबर को यह आदेश पारित किया। दोनों दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा था। दोनों दोषी उन 11 लोगों में शामिल हैं, जिन्हें गुजरात सरकार ने अगस्त 2022 में समय से पहले रिहा किया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में उनकी रिहाई के फैसले को रद्द कर दिया था।

**17 साल से अधिक समय जेल में रहने का दिया हवाला :** सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दोनों दोषी 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। पीठ ने यह भी ध्यान दिया कि उनमें से एक गंभीर रूप से दिव्यांग है। अदालत ने कहा कि अपील में तथ्यों और कानून से जुड़े कई ऐसे सवाल हैं,जिन पर फैसला किया जाना बाकी है। इसी आधार पर पीठ ने दोनों की सजा निलंबित करने और जमानत देने का आदेश दिया।




### सरकारी पक्ष ने जमानत का किया विरोध

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि निचली अदालत और हाईकोर्ट दोनों ने मामले से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों और तथ्यों पर विचार करने के बाद दोषियों को सजा सुनाई थी। उन्होंने अपराध की गंभीरता को भी जमानत का विरोध करने का आधार बताया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अपील में विचार किए जाने वाले मुद्दों और दोषियों के जेल में बिताए समय को ध्यान में रखते हुए सजा निलंबित करने का फैसला किया।

### दोषियों के वकील ने दलील दी?

दोषियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने अदालत को बताया कि दोनों 17 साल से अधिक समय से जेल में हैं। उन्होंने यह भी दलील दी कि एक आरोपी का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं था और घटना के करीब तीन साल बाद उसे मामले में आरोपी बनाया गया था। वकील ने दूसरे दोषी की गंभीर दिव्यांगता का भी हवाला दिया।

## एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी...चुनाव आयोग से मांगे इन 48 सवालों के जवाब,हलफनामा देने की भी मांग...

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच विवाद तेज होता जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में नई अर्जी दाखिल की है। इसमें चुनाव आयोग को 48 लिखित सवाल भेजने की अनुमति मांगी गई है। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो अन्य चुनाव आयुक्तों से हलफनामे के जरिए जवाब देने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि देशभर में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान एकतरफा फैसले लिए गए,मतदाताओं के नाम हटाए गए और चुनाव आयोग के ऑनलाइन पोर्टल में बिना उचित मंजूरी के बदलाव किए गए। विपक्षी नेताओं ने इन सभी मामलों पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जानकारी मांगी है। कांग्रेस ने पूछा है कि कितने फैसलों पर दोनों चुनाव आयुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से असहमत थे? इसके अलावा, देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने का फैसला किसने लिया था? राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्टूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि स्ट्रक्र से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे। हालांकि,याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर,तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक आरटीआई जवाब का भी हवाला दिया है। इसके मुताबिक,चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई फैसला नहीं लिया गया था।



## रिजर्व सीटों के रोटेशन पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

# कहा-कोई खास सीट आरक्षित रहे ऐसा किसी को अधिकार नहीं



**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** किसी मतदाता या उम्मीदवार को यह अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रखा जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में आरक्षित सीटों के रोटेशन की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने रुपाली इंद्रभूषण सोंडे बनाम महाराष्ट्र राज्य एवं अन्य मामले में यह फैसला सुनाया। याचिका में महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति (सीटों के आरक्षण का तरीका और रोटेशन) नियम, 2025 के नियम 12 को चुनौती दी गई थी। इस नियम के तहत आरक्षित सीटों के रोटेशन के लिए शुरुआती आधार को नए सिरे से तय किया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि रोटेशन की समयसीमा और शुरुआती बिंदु को बार-बार बदलने से आरक्षण का रोटेशन केवल नाम का रह जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे कम एससी-एसटी आबादी वाले कुछ निर्वाचन क्षेत्रों के कभी आरक्षित नहीं होने की स्थिति बन सकती है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि कानून के तहत एससी-एसटी आबादी के अनुपात में आरक्षित सीटों का रोटेशन किया जाना है,लेकिन इसे किस तरीके और समयसीमा में लागू करना है,यह सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। पीठ ने कहा,'किसी मतदाता या उम्मीदवार का यह निहित अधिकार नहीं है कि कोई खास निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित रहे।

## यूपी में सपा के साथ सीट बंटवारे पर कांग्रेस की खरगे के आवास पर बैठक...

# सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो : राहुल

### प्रियंका की अगुआई में 5 सदस्यीय टीम बनी,सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करेगी...

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा...सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल,यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा,यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम,यूपी के वर्किंग प्रेसिडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर दावा किया कि इन इलाकों में उसकी स्थिति मजबूत है। पिछले कुछ महीनों में उसके पक्ष में माहौल बदला है। कांग्रेस की इस मांग को लेकर सपा में असमंजस है। इसकी वजह 2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं। उस चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 2.33% वोट मिले थे और पार्टी केवल 2 सीटें जीत सकी थी।



### आराधना मिश्रा बोलीं...सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ...

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

### आज सपा-कांग्रेस के बीच बातचीत

सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच 17 नवंबर को लखनऊ में औपचारिक बैठक होगी। इसमें दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। दोनों दलों की कमेटियां एक-एक सीट पर जीत की संभावनाओं के आधार पर चर्चा करेंगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही साफ कर चुके हैं कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर होगा।

## करोड़ों खर्च के बाद भी बढ़ा प्रदूषण जहरीली होती यमुना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त,राज्य सरकारों को लगाई फटकार



**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यमुना की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बावजूद,नदी में प्रदूषण कम होने के बजाय बढ़ा ही है। यह नदी के किनारे बसे कस्बों और शहरों के नागरिक प्रशासन की विफलता को दर्शाता है। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने टिप्पणी की,'इस कोर्ट का मानना है कि नदी के किनारे बसे कस्बों,शहरों और गांवों के नागरिक प्रशासन में जो भी कमियां हैं। वे नदी की खराब हालत और उन 520 नालों में साफ झलकती हैं,जिनका गंदा पानी यमुना में गिरता है। यही वजह है कि नदी की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बाद भी यमुना में प्रदूषण बढ़ा ही है।' इसके साथ ही,कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया कि वह उन जगहों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी करे, जहां यमुना और प्रमुख नाले अलग-अलग राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में प्रवेश करते हैं या वहां से बाहर निकलते हैं।' अदालत ने कहा कि अगर किसी राज्य,केंद्र शासित प्रदेश या जिले से गुजरते समय पानी की गुणवत्ता खराब होती है,तो संबंधित प्राधिकरण को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

## सेना को अंदरूनी लोगों से ज्यादा खतरा...हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी जासूसी : एयरफोर्स चीफ

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना,मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि,अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें नेवी के दो जवान,एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था।

# सोशल मीडिया की जवाबदेही के तंत्र बनाने के लिए समाज में हो विचार मंथन : अश्विनी वैष्णव

**नई दिल्ली,16 नवम्बर 2026।** सरकार ने नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालकों का आज आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया के कंटेट को उत्तरदायित्व पूर्ण बनाने के लिए और शिकायतों के निवारण के वास्ते एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए क्या ढांचा बनाया जाना चाहिए, इस पर गहन विचार मंथन करें ताकि सोशल मीडिया समाज को मजबूत बनाने में योगदान दे, ना कि कमजोर एवं विभाजित करे।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आज किसी की कोई स्पष्ट जिम्मेदारी नहीं है। प्लेटफॉर्म अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस और नीतियों के आधार पर आत्म नियमन करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था पर्याप्त है? क्या नागरिकों की आवाज,शिकायतों के निवारण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए केवल आत्म नियमन काफी है? पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की बदलती भूमिका, तकनीकी विकास,सोशल मीडिया के प्रभाव और पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर विस्तार से अपनी बात रखी और बीते दो तीन दशकों में मीडिया के क्षेत्र में जो बदलावों और आने वाले पांच साल में उससे कहीं अधिक परिवर्तनों को लेकर सजग किया। उन्होंने सोशल एवं डिजिटल मीडिया की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन, सिंथेटिक तरीके से तैयार किए गए फर्जी कंटेंट और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय विषयों पर गुमराह करने वाले प्रचार की समस्या सामने आ रही है।

## संपादकीय

# चुनाव आयोग का सही कदम

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में इस आशय का पूरक शपथपत्र देकर उचित और आवश्यक कदम उठाया कि मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण की प्रक्रिया अर्थात एसआइआर में छूटे मतदाताओं को वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने का एक और अवसर दिया जाएगा। उसने यह भी भरोसा दिलाया है कि सभी पात्र नागरिकों का पुराना ईपिक नंबर बहाल किया जाएगा और हर बूथ की वोटर लिस्ट भी दोबारा जारी होगी एवं उसमें किसी का नाम न होने का कारण भी बताया जाएगा। चुनाव आयोग ने एक और महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण यह भी दिया कि पहले मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के बाद भी अगर किसी ने एसआइआर के समय अपना नाम दर्ज कराने के लिए फार्म 6 भरा है तो इसके आधार पर उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी,बशर्ते उसका नाम किसी दूसरे स्थान पर मतदाता के रूप में दर्ज न हो और उसने सही जानकारी दी हो। चुनाव आयोग ने यह भी छूट दी है कि जिन मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने से रह गया है और उन्होंने अपना निवास स्थान नहीं बदला,वे भी वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अब जब चुनाव आयोग प्रत्येक पात्र नागरिक को अपना नाम अंतिम वोटर लिस्ट में शामिल कराने का अवसर देने के साथ एसआइआर में हो रही विसंगतियों को रोकने के हरसंभव उपाय कर रहा है,तब विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस की ओर से एसआइआर को वोट चोरी करार देना बंद किया जाना चाहिए। इससे इन्कार नहीं कि एसआइआर सरीखी व्यापक और जटिल प्रक्रिया में कुछ विसंगतियां हो सकती हैं और कुछ पात्र मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हट सकते हैं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि ऐसे अपुष्ट आरोपों के साथ चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक संस्था को बदनाम किया जाए कि वह जानबूझकर विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटर लिस्ट से हटा रहा है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि चुनाव आयोग की ओर से एसआइआर की विसंगतियों और खामियों को दूर करने की जो प्रतिबद्धता जताई गई और उसके अनुरूप आवश्यक कदम भी उठा लिए गए हैं,उसके बाद विपक्षी दलों का रोना-धोना बंद होगा या नहीं, लेकिन चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए कि अपात्र नागरिक वोटर न बनने पाएं और पात्र नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल होने से छूटने न पाए।

# लाला लाजपत राय का बलिदान और स्वतंत्रता आन्दोलन



प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

लाहौर रेलवे स्टेशन पर हजारों की संख्या में युवक-युवतियों,विद्यार्थियों, कामगारों,किसानों,महिलाओं,राजनीतिक कार्यकर्ताओं और वकीलों का जमावड़ा। हाथों में लहराते काले झंडे,आसमान को भेदती कसी मुट्ठियां और समवेत ओजस्वी स्वर में गूंजता एक ही नारा, साइमन,गो बैक। अंग्रेजों वापस जाओ। सामने अंग्रेजी पल्टन का एक-एक सिपाही चुस्त-मुस्तैद,हाथों में बेंत का डंडा और सिर पर लोहे का टोप,आग उगलती आंखों और भींचे हुए जबड़े के साथ किसी भी अनहोनी के लिए स्वतः स्फूर्त सजग सावधान तैयार। जनता का लक्ष्य साइमन कमीशन को लाहौर की पावन भूमि पर कदम न रखने देंगे,हर हाल में स्टेशन से वापस भेज देंगे। उधर सिपाहियों का लक्ष्य,कैसे भी साइमन कमीशन के अंग्रेज सदस्यों को सुरक्षित गंतव्य तक ले जायेंगे। कोई पीछे कदम खींचने को तैयार नहीं। दोनों के लक्ष्य टकराये। अंग्रेज पुलिस अधिकारियों को इतने तीव्र विरोध का अंदाजा न था। अपने को कमजोर पड़ता देख पुलिस अधिकारी जेम्स ए स्काट ने सिपाहियो को आदेश दिया-लाठी चार्ज। जनता का नेतृत्व कर रहे नर-नाहर ने ललकारा कि हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। हजारों लाठियों के प्रहार में भी हमारे चपल चंचल चरणों को रोकने की सामर्थ्य नहीं है। नेतृत्व के इन वीरोचित शब्दों से जन-सिंधु में उत्साह की लहरें बढ़ चलीं और बढ़ते कदमों को रोकने के लिए सिपाहियों की लाठियां तड-तड चटकने लगीं। पर मां भारती के वीर सपूतों के कदम ठहरे नहीं। अंग्रेजों द्वारा सुनियोजित तरीके से विरोध का नेतृत्व कर रहे नायक की छाती पर दर्जनों लाठियों का प्रहार एक साथ किया गया। वह भूमि पर गिर पड़े,शीश एवं देह से फूटी रक्त धारा बहकर पावन रज में मिल गौरवान्वित हुई। घायल शेर फिर उठ खड़ा हुआ,हुंकार भरी,मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी का प्रहार ब्रिटिश सरकार के ताबूत की एक-एक कील सिद्ध होगा। यह प्रखर उद्गार थे कांग्रेस में गरम दल के नेता, लाल बाल पाल की विचार त्रिवेणी की सशक्त धारा पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के,जो न केवल कांग्रेस के शीर्ष नेता थे बल्कि शिक्षाविद,बैंकर, ओजमय वक्ता,लेखक एवं विचारक भी थे जिनके नाम से अंग्रेजी सत्ता के तख्त की चूलों में कंपन होने लगता था। लाठियों के प्रहार से घायल लाला का निधन 17 नवम्बर,1928 को हो गया। लाला की मृत्यु का बदला भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव ने एक महीने के अंदर सांडर्स का वध कर ले लिया और फांसी पर झूल गये।

प्रतीकात्मक चित्र: दैनिक घटती-घटना



लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी,1865 को मोगा फिरोजपुर जनपद के धुदिके गांव में एक सम्पन्न अग्रवाल परिवार में हुआ था। माता गुलाब देवी की कोख बच्चे को जन्म देकर धन्य हुई। पिता मुंशी राधाकृष्ण अध्यापक थे और उर्दू एवं फारसी पढ़ाते तथा रचनाएं लिखते थे,जिनमें देशप्रेम का भाव हिलोरें मारता था। पिता का प्रभाव बालक लाजपत पर पड़ना स्वाभाविक ही था। प्रारम्भिक शिक्षा गांव में प्राप्त कर 1880 में एंट्रेंस एवं 1882 में एफए उत्तीर्ण किया। कानून में पारंगत होने के लिए गवर्नमेंट कालेज लाहौर में प्रवेश लिया और सफल होकर 1883 में एक वकील के रूप में हिसार में वकालत करने लगे। इसी दरम्यान 1885 में कांग्रेस की स्थापना हुई और 1888 में लाजपत शामिल हो गये। कांग्रेस में उनकी सक्रियता बढ़ने लगी किन्तु कांग्रेस का नरम विचार उन्हें रास न आता था। इधर कोर्ट-कचहरी के तमाम दांवपेंच से इतर लाला दबे-कुचले एवं गरीब लोगों के लिए सहज उपलब्ध थे ही,उनकी मदद करते रहे। वह भले ही अधिक धनार्जन न कर पाये किंतु आशीषों से उनका भंडार भरता रहा जिसने लाजपत राय को एक जिम्मेदार,संवेदनशील एवं परोपकारी व्यक्तित्व के रूप में ढाल दिया। हृदय की तरलता-सरलता एवं पर दुःख कातरता उनके जीवन में पगे-पगे दृष्टव्य है। जनता ने लाजपत की करुणा एवं सेवा भावना का विराट रूप का दर्शन 1897 एवं 1899 में आये भयंकर दुर्भिक्ष में देखा। जब लाजपत राय ने साथियों की मदद से राहत शिविर लगाकर भूखी जनता के लिए भोजन का प्रबंध किया जैसे मां अपनी संतान के लिए करती है। सेवा-साधना का ही प्रतिफल था कि लाजपत राय लोक में लाला के नाम से विख्यात हो गये। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक एवं बिपिनचंद्र पाल के साथ मिलकर कांग्रेस में गरम दल का नेतृत्व करने वाले लाला लाजपत राय लाल बाल पाल के प्रमुख व्यक्तित्व साहस,संघर्ष एवं समन्वय के सशक्त हस्ताक्षर थे।

हिसार में सामाजिक एवं राजनीतिक कर्म कौशल एवं लोक स्वीकार्यता का परिणाम था कि आप हिसार नगर निगम के सदस्य और बाद में सचिव चुने गये। 1892 में क्रांति भूमि लाहौर के लिए प्रस्थान किया। देश एवं समाज की उन्नति के लिए आप स्वदेशी वस्तुओं के अधिकाधिक उपयोग-उपभोग के पक्षधर थे और आयातित वस्तुओं के पूर्ण बहिष्कार के समर्थक भी। पारिवारिक विकास के लिए अर्थ संचय को महत्व देते थे और सामान्य जन में बचत की आदत डालने के लिए आपने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की जो आज देश का एक अग्रणी बैंक है। लक्ष्मी बीमा कंपनी बनाई ताकि लोगों के जीवन में अप्रत्याशित दुर्घटना पर मदद का मरहम लगाया जा सके। शिक्षा संस्कार आपके महत्वपूर्ण कार्यों में एक है। समाज में शिक्षा का प्रसार,बालिकाओं के लिए विद्यालयों में शिक्षा प्राप्ति का राह सुगम करने के लिए भी आप जाने जाते हैं। लाला हंसराज एवं कल्याण चंद्र दीक्षित के साथ मिलकर दयानन्द एंग्लो वैदिक विद्यालयों की स्थापना की।

लाला लाजपत राय राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के परम उपासक थे। पूर्ण स्वराज्य के संकल्प की ज्वाला हृदय में सदैव धधकती रही। 1905 में जब लार्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन कर हिंदू-मुस्लिम में अलगाव करने की चाल चली तो लाल,बाल,पाल की त्रिमूर्ति ने तीखा विरोध कर सुरेंद्रनाथ बनर्जी,अरविंद घोष के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा कर दिया। फलतः सत्ता को झुकना पड़ा। अंग्रेज सरकार ने लाला को गिरफ्तार कर वर्मा भेज दिया। पर छह महीने बाद कारागार से मुक्त होते ही वह पुनः लोक जागरण में सक्रिय हो गये। 1914 में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल में शामिल होकर इंग्लैंड गये। प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ हो जाने से देश वापस न आ सके और 1917 में अमेरिका पहुंच कर न्यूयॉर्क में इंडियन होम रूल लीग आफ अमेरिका की स्थापना की। 20 फरवरी, 1920 को भारत लौटे तो नायक बन चुके थे। कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन 1920 की अध्यक्षता की और महात्मा गांधी का समर्थन कर असहयोग आंदोलन में सहयोगी बने। आप अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस का भी नेतृत्व कर वहां राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। समाज जीवन का कोई क्षेत्र अछूता न था। आपने 1925 में हिंदू महासभा के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता कर समाज को शक्ति,साहस,सहकार संस्कार सम्पन्न बनने का आह्वान किया। अपने विचारों को यंग इंडिया,अनहैपी इंडिया आदि पुस्तकों में समाहित किया।

पराजय एवं असफलताओं को नैराश्य नहीं बल्कि विजय प्राप्ति के लिए संघर्ष पथ का एक क्षणिक पड़ाव मानने वाले लाला की जन्मशती 28 जनवरी, 1965 को भारत सरकार ने 15 पैसे का स्मारक डाक टिकट जारी कर अपने भाव पुष्प समर्पित किये। देश के तमाम शहरों में सड़कें, मोहल्लों एवं पार्कों के नाम लाला के नाम पर रखे गये साथ ही मेरठ के मेडिकल कालेज एवं हिसार के इंजीनियरिंग कालेज के नाम लाला लाजपत राय पर आधृत हो उनकी यश पताका फहरा रहे हैं। बस स्टैंड जगरांव एवं अन्य शहरों के चौराहों में स्थापित मूर्तियां दर्शकों में ओज एवं ऊर्जा भर रही हैं। पुण्य तिथि के अवसर पर लोक उनकी स्मृतियों की स्नेहिल छांव में श्रद्धा अर्पित कर रहा है।

# वंतारा से गौ सेवा तक अनंत अंबानी की मानवीय सेवा यात्रा



ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ,प्रतिस्पर्धा,विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है,तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा,जीवदया,सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं,बल्कि पशु कल्याण,जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है,जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एके क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों,पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता,जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है,क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी,लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज,प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है,तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता,वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं,जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं।




यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है,तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है।

वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार,पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल,पशु चिकित्सा सुविधाएँ,प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है,इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जो ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है।

इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चैंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है,जो सामुदायिक कुत्तों,बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं,तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है।

अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता,वैज्ञानिक मानक,पशु-अधिकार,दीर्घ कालीन पुनर्वास,जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं,इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है,लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जो ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है,पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता के अवसर पर उन्होंने सफलता का श्रेय केवल परिवार या प्रबंधन को नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को दिया। उन्होंने व्यापार को पूजा और शेयर बाजार की घंटी को मंदिर की घंटी से जोड़ते हुए कहा कि पूजा का प्रसाद बांटा जाता है और आज जियो भारत के साथ साझा किया गया है। उनके संबोधन के दौरान मुकेश अंबानी भावुक होकर आँसू पोंछते दिखाई दिए। यह प्रसंग महज पारिवारिक भावुकता नहीं था। इसमें व्यापार के अर्थ की एक नई व्याख्या छिपी थी-व्यापार केवल मालिक का नहीं, उससे जुे करोड़ों लोगों का भी होता है। जियो की सफलता को उन्होंने कर्मचारियों,तकनीशियनों,सेवा-कर्मियों, खुदरा भागीदारों और सामान्य भारतीयों की भागीदारी से जोड़ा। यही दृष्टि व्यापार को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है। एचएफसीएल के अध्यक्ष एवं दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ उद्योगपति महेंद्र नाहटा लंबे समय से जियो की यात्रा से जुड़ रहे हैं और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। उनके दृष्टिकोण से अनंत अंबानी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह मानी जा सकती है कि उन्होंने तकनीक और व्यवसाय की आधुनिक दुनिया को सेवा,संस्कार और संवेदना से जो ने की कोशिश की है।

## घर के बिसरे कोने



दीवारों पर टंगे पुराने फोटो फ्रेम,
ताक पर रखी टूटी ऐनक और पुरानी किताबें,
पूछती हैं रोज़ खामोश दरवाज़ों से,
कि किधर खो गईं वो बतियाती हुई रातें?
घर बड़ा हो गया, कमरे बँट गए हिस्सों में,
पर अपनों के दिलों के फासले और बढ़ गए।
दौड़ती-भागती आधुनिक दुनिया की चक्की में,
रिश्तों के सारे पुराने मान-सम्मान पिस गए।
कभी जो आँगन गूँजता था किलकारियों से,
आज वहाँ सन्नाटे का डरावना पहरा है।
बचपन की उंगलियाँ थामने वाले वे हाथ,
आज खुद तलाश रहे जीने का कोई सहारा है।
स्क्रीन की नीली चमक में धुंधला गई आँखें,
पूछती हैं बच्चों से बस थोड़ा सा वक्त उधार।
दौलत,शोहरत खूब मिल गई इस दौड़ में,
पर पीछे छूट गया कहीं घर का संस्कार।
अरे! मत भूलो इन झुर्रियों भरे चेहरों को,
इन्हीं की छाँव में तुम्हारी छाँव पलती है।
जिस घर में बुजुर्गों का आशीर्वाद नहीं होता,
वहाँ मोमबत्ती तो जलती है,पर रोशनी रोती है।
वक्त रहते सहेज लो
अपनी इन जीवित क्षणों को,
कल ये दीप बुझ गए तो अँधेरा छा जाएगा।
रुपए-पैसों से तो सब कुछ ख़रीद लोगे शायद,
पर बीता हुआ यह वक्त लौटकर कहाँ आएगा?

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह सहज़
हरदा,मध्यप्रदेश

# ए-आई के जाल म फँदावत बचपन

**कृत्रिम बुद्धिमत्ता अउ आज के लइकामन के जिनगी**

ए-आई,जेन ला हमन कृत्रिम बुद्धिमत्ता कहिथन, आज के दुनिया म तेजी ले अपन जगह बनावत हे। पढ़ई-लिखई ले लेके मनोरंजन अउ रचनात्मक काम तक,एखर उपयोग बढ़त जावत हे। ए तकनीक ह हमर काम ल आसान बनाइस हे,फेर एक सवाल घलो खड़ा करिस हे–का हमन ये ए-आई के उपयोग करत हन,या धीरे-धीरे ये ए-आई हमर समय अउ आदत मन ऊपर हावी होवत जावत हे? आज के लइकामन के जिनगी म मोबाइल अउ इंटरनेट के दखल बाढ़गे हे। एखर असर ह ओमन के पढ़ई, खेल-कूद, सोच-विचार अउ आपसी व्यवहार म देखे जा सकथे। तकनीक के दुनिया ह जिहाँ ओमन बर नवा अवसर खोलत हे, उहाँ बिना नियंत्रण के उपयोग करई ह ओमन के बचपन ल प्रभावित घलो कर सकथे।



प्रिया देवांगन 'प्रियू'
राजिम,छत्तीसगढ़

**ए-आई: ज्ञान अउ रचनात्मकता के नवा साथी**

ए-आई लइकामन बर सीखइया एक उपयोगी साधन बन सकथे। कोनो कठिन सवाल ल सरल भाषा म समझना होय,कहानी-कविता लिखना होय,चित्र बनाना होय या सामान्य ज्ञान बढ़ाना होय ता ए-आई कई तरीका ले मदद कर सकथे। कई बेर लइकामन अपन सवाल पूछे म झिझकथें। अइसन म ए-आई ओमन के जिज्ञासा शांत करे अउ नवा विषय समझे म मददगार साबित हो सकथे। चैटजीपीटी अउ जेमिनी जइसन साधन



मन ले ओमन अपन कल्पना ल शब्द अउ चित्र के रूप दे सकथें।

फेर एक बात के ध्यान रखना जरूरी हे– ए-आई के हर जवाब ह सही होही,ए जरूरी नइहे। लइकामन ल जानकारी के जाँच करना अउ अपन समझ के उपयोग करे बर सिखना चाही। ए-आई के काम जवाब देना आय,फेर सही-गलत के अंतर समझना मनखे के जिम्मेदारी आय।

**जब मनोरंजन बन जाथे आदत**

आज मोबाइल म खेल,वीडियो अउ ए-आई से बने चित्र-आवाज के भरमार हे। लइकामन अलग-अलग जानवर,चिरई-चिरगुन अउ चीज आदि के आवाज सुनके,काल्पनिक चित्र बनाके अउ नवा-नवा वीडियो देखके मनोरंजन करथें। समस्या मनोरंजन म नइहे,बल्कि ए तब शुरू होथे जब मनोरंजन के समय के कोनो सीमा नइ रहि जाय। एक वीडियो देखे के बाद दूसर देखे के मन करथे। एक सवाल के जवाब मिलथे,त दस नवा सवाल पैदा हो जाथें। अइसने करत-करत कब घंटों बीत जाथे,पता ही नइ चलय।एखर असर पढ़ई,नींद अउ बाहरी खेल-कूद ऊपर पड़ सकथे। लइका धीरे-धीरे मैदान के खेल ले दूर होके मोबाइल के आभासी दुनिया म जादा समय बिताय लगथे।

जइसे मेकरा अपन जाला म माछी ल फँसा लेथे,वइसने मोबाइल के अनियंत्रित उपयोग घलो लइकामन ल अइसने अरझा सकथे कि ओमन अपन समय के कीमत तक भुला बइठथें।

**रिश्ता-नता ले दूर होवत बचपन**

एक समय रहिस,जब लइकामन के बचपन गली-मोहल्ला के खेल,संगवारी मन के हँसी-ठिठोली अउ दाई-ददा के कहानी म बीतत रहिस। आज कई घर म एके जगह बइठे परिवार के सदस्य मन अपन-अपन मोबाइल म मगन रहिथें। मनखे भले नजदीक म रहिथें,फेर बातचीत के दूरी बाढ़त जावत हे। लइकामन के विकास बर किताब अउ तकनीक जतका जरूरी हें,ओतके जरूरी हे खेलना,सवाल पूछना,गलती करना,संगवारी बनाना अउ परिवार के संग समय बिताना। ए-आई कहानी सुना सकथे,फेर दाई के गोदी म मूड़ रखके कहानी सुने के सुख नइ दे सकय। मोबाइल ह हँसइया वीडियो दिखा सकथे, फेर संगवारी मन के संग खेले म मिले खुशी के जगह नइ ले सकय।

बचपन ह खाली बड़े होय के उमर नोहे;ए ह सीखना,महसूस करना अउ भावनात्मक रिश्ता बनाय के समय आय। अगर ए समय म लइकामन के दुनिया मोबाइल तक सिमट जाही,त ओमन कई अइसन अनुभव ले वंचित रहि सकथें,जेकर जरूरत जिनगी भर पड़थे।

**जिम्मेदारी खाली लइकामन के नोहे**

लइकामन मोबाइल म जादा समय बितायें,त एखर पूरा दोष ओमन ल देना सही नइहे। घर के बड़े मनखे मन ल घलो अपन आदत ऊपर ध्यान देना चाही। अगर दाई-ददा खुदे दिनभर मोबाइल म लगे रहीं,त लइकामन ले संयम के उम्मीद करना कठिन होही। लइकामन उपदेश ले कम, अपन परिवार के व्यवहार ले जादा सीखथें। एखर सेती जरूरी हे कि दाई-ददा लइकामन संग बातचीत करँय,ओमन के सवाल मन ल धीरज ले सुनँय अउ खेल-कूद बर समय निकालँय। मोबाइल के उपयोग बर नियम बनावँय, पढ़ई अउ मनोरंजन के बीच संतुलन रखँय अउ ए-आई के सही उपयोग सिखावँय।

अगर कोनो लइका अपन परेशानी ल ए-आई ले साझा करथे,त बड़े मनखे मन ल ए बात समझना चाही कि लइका के मन म कोनो सवाल,डर या अकेलापन हो सकथे। अइसन समय म खिसियाए के बजाय ओला भरोसा देना अउ जरूरत के मुताबिक मदद करना जादा जरूरी हे।

**तकनीक जरूरी हे,फेर बचपन अनमोल हे**

ए-आई हमर भविष्य के महत्वपूर्ण हिस्सा आय। एखर ले दूरी बनाना समाधान नोहे,बल्कि एला समझदारी के संग अपनाना जरूरी हे। लइकामन एखर मदद ले सीखँय,अपन कल्पना ल आकार देवयँ अउ नवा संभावना मन के खोज करँय। फेर संग म मैदान म खेलँय,किताब पढ़ँय,प्रकृति ल देखँय,संगवारी मन संग हँसँय अउ परिवार के मया पावँय। मोबाइल के स्क्रीन के बाहिर घलो एक अइसन दुनिया हे,जिहाँ हर दिन कुछ नवा सीखे अउ महसूस करे के मौका मिलथे।आखिर म सवाल ए नइहे कि ए-आई अच्छा आय या बुरा। असली सवाल ए आय कि हमन एला अपन जिनगी म कतका जगह देथन। तकनीक हमर मददगार बनय,हमर मालिक नहीं। ए हमर ज्ञान ल बढ़ाय,हमर सोचइया क्षमता ल दबाय नहीं। ए हमर काम ल आसान करय,हमर रिश्ता-नता के बीच दूरी बढ़ाय के कारण झन बनय। काबर कि मोबाइल म हजारों कहानी मिल सकथे,फेर अपन बचपन के कहानी दोबारा जीये के मौका नइ मिलय। एखर सेती ए-आई के संग कदम मिलाके चलव, फेर एखर जाला म अइसन झन फँसव कि अपन मनखे मन के मया,संगवारी मन के हँसी अउ बचपन के असली खुशी ल ही बिसरा दव।

# भोपू और झंडी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

तटीय आपदा प्रबंधन एवं सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र के विशाल वातानुकूलित मुख्यालय के बाहर कंक्रीट के चबूतरे पर बहत्तर साल के करियप्पा हर गुरुवार सुबह ठीक दस बजे अपनी लाठी टेकते हुए आकर बैठ जाते थे। उनके कांपते हाथों में पीतल का एक पुराना जंग लगा हाथ से घुमाने वाला चेतावनी सायरन और बांस की खपच्ची पर बंधी एक फटी हुई लाल झंडी हमेशा मौजूद रहती थी जिसे वे अपनी मैली धोती के पल्ले से बार-बार पोंछते रहते थे। जब दफ़्तर के नए अर्दली ने उन्हें चबूतरे पर बैठा देखा तो हाथ में पकड़ी गर्म चाय का कुल्हड़ मेज़ पर पटकते हुए ठहाका लगाकर बोला कि बाबा जब आज पूरे प्रदेश में उपग्रह आधारित सुनामी पूर्व चेतावनी और समुद्री आपदा प्रबंधन का डंका बज रहा है और राजधानी से बड़े-बड़े वैज्ञानिक और राहत आयुक्त आधुनिक सेंसरों की प्रदर्शनी लगाने आए हैं तो इस जंग लगे कबाड़ भोपू और फटी लाल चिंदी को रोज़ अपनी छती से चिपकाकर यहाँ क्या भीख मांगने का नया तमाशा खड़ा करते हो।÷ करियप्पा अपनी पुरानी धुंधली ऐनक को ठीक करते और बहुत धीमी लड़खड़ाती आवाज़ में मुस्कुराकर कहते कि बेटा यह जंग लगा भोपू केवल पीतल का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे आपदा महकमे की वो बहरी व्यवस्था है जिसने समंदर की उठती प्रलयंकारी लहरों के सच को कागज़ों की फाइलों में हमेशा के लिए दफ़न कर दिया है।÷ आसपास खड़े तमाम बाबू और दलाल उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि ÷लगता है इस बुढ़ापे में इस बूढ़े मछुआरे का दिमाग पूरी तरह सठिया गया है जो सुनामी जागरूकता दिवस के पावन उत्सव को अपनी हठ की भेंट चढ़ाने चला आया है। करियप्पा किसी की बात का तनिक भी मलाल किए बिना उस भोपू के मुड़े हुए हैंडल को अपनी कांपती उंगलियों से सहलाते और चुपचाप वीआईपी गाड़ियों के आने का इंतज़ार करते रहते थे। आपदा चेतावनी केंद्र के सभी बाबू और मौसम वैज्ञानिक करियप्पा की इस साप्ताहिक मूक उपस्थिति से भलीभाँति परिचित हो चुके थे और उन्हें एक सिरफिरा बुज़ुर्ग मानकर पू

# किसानों के हित में बड़े फैसले : कम धान बेचने पर भी मिलेगी 13,839 रुपए प्रति एकड़ आदान सहायता,गन्ने की कीमत 425 रुपए प्रति क्विंटल

## कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने मीडिया को किसान कल्याण की योजनाओं और निर्णयों की दी जानकारी

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने,कृषि को लाभकारी बनाने और खेती के क्षेत्र में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब किसानों को निर्धारित अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम धान बेचने पर भी प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की एक समान आदान सहायता राशि मिलेगी। वहीं गन्ना उत्पादक किसानों के लिए उपार्जन दर में 70 रुपए की वृद्धि करते हुए इसे 425 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। इन फैसलों के साथ दलहन, तिलहन एवं श्री अन्न की खेती को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रेसवार्ता में इन किसान हितैषी निर्णयों की जानकारी दी। किसान कल्याण से जुड़े इन महत्वपूर्ण निर्णयों के संबंध में आज अम्बिकापुर स्थित कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें जिले के पत्रकार शामिल हुए। कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रेसवार्ता में कृषक उन्नति योजना, गन्ना प्रोत्साहन राशि,प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान तथा मिलेट्स उपार्जन सहित कृषि क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई।



### कम धान बेचने पर भी किसानों को मिलेगा पूरा लाभ

**कृषक उन्नति योजना में किए गए महत्वपूर्ण बदलाव के तहत अब किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की एक समान आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। पहले किसानों को प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल धान उपार्जन के आधार पर 3100 रुपए प्रति क्विंटल के मान से न्यूनतम समर्थन मूल्य और निर्धारित राशि के अंतर का भुगतान किया जाता था। अब नए प्रावधान से किसान निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने पर भी प्रति एकड़ के मान से सहायता राशि प्राप्त कर सकेंगे। इससे कम उत्पादन वाले क्षेत्रों, लघु एवं सीमांत किसानों तथा जनजातीय अंचलों के किसानों को विशेष राहत मिलेगी। किसान अपनी आवश्यकता और सुविधा के अनुसार धान विक्रय कर सकेंगे।**

**धान के साथ दूसरी फसलों की खेती पर भी मिलेगा प्रोत्साहन :** राज्य सरकार किसानों को धान के अलावा अन्य लाभकारी फसलों की खेती के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है। धान के स्थान पर अन्य फसल लेने वाले किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि 11 हजार रुपए से बढ़ाकर 15 हजार रुपए प्रति एकड़ की गई है। वहीं दलहन,तिलहन,मक्का, कोदो,कुटकी,रागी एवं कपास की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 10 हजार रुपए दिए जाने का प्रावधान है। कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ 2023 से खरीफ 2025 तक प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों को कुल 35 हजार 904 करोड़ 90 लाख रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

### गन्ने की उपार्जन दर में 70 रुपए की वृद्धि,किसानों को मिलेगा बेहतर मूल्य

गन्ना उत्पादक किसानों के लिए भी राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पिछले आठ वर्षों से 355 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित गन्ने की उपार्जन दर को बढ़ाकर 425 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) और राज्य शासन की घोषित उपार्जन दर के अंतर की राशि किसानों को गन्ना प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जाती है। इस बढ़ी हुई दर का लाभ पेराई सत्र 2025-26 में खरीदे गए गन्ने पर भी दिया जा रहा है। प्रदेश के चार शक्कर कारखानों से संबद्ध किसानों को रिकवरी प्रतिशत के आधार पर अलग-अलग दरों से भुगतान किया जा रहा है। कवर्धा में 488.67 रुपए,पण्डरिया में 455.10 रुपए, बालोद में 432.62 रुपए तथा सूरजपुर में 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ के गन्ना किसानों को देश के अन्य प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों की तुलना में बेहतर उपार्जन मूल्य मिल रहा है।

**15 दिसंबर से होगी कोदो,कुटकी एवं रागी की खरीदी :** प्रदेश में पारंपरिक मिलेट्स फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मार्कफेड के माध्यम से कोदो,कुटकी एवं रागी का उपार्जन किया जाएगा। खरीदी 15 दिसंबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक होगी। रागी की खरीदी केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा कोदो एवं कुटकी की खरीदी राज्य शासन द्वारा निर्धारित दर पर की जाएगी। उपार्जित मिलेट्स की आपूर्ति मांग एवं उपलब्धता के अनुसार आंगनबाड़ियों एवं माध्यमिक शालाओं में की जाएगी।

इसके साथ ही प्रसंस्करण इकाइयों और अन्य शासकीय,अर्द्धशासकीय एवं निजी संस्थाओं को भी विक्रय किया जाएगा। राज्य शासन के इन निर्णयों से किसानों को केवल धान की खेती तक सीमित रहने के बजाय अन्य लाभकारी फसलों को अपनाने का अवसर मिलेगा। प्रति एकड़ आदान सहायता, गन्ने की बढ़ी हुई उपार्जन दर, दलहन-तिलहन की समर्थन मूल्य पर खरीदी और मिलेट्स के उपार्जन जैसी पहल किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा प्रदेश में कृषि के विविधीकरण को नई गति देने में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

### दलहन-तिलहन की खरीदी से किसानों को मिलेगा न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जा रहा है। खरीफ में अरहर,सोयाबीन,उड़द,मूंग एवं मूंगफली तथा रबी में चना,मसूर एवं सरसों की खरीदी की जाएगी। वर्ष 2025-26 में प्रदेश के 29 जिलों में 273 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 3 लाख 72 हजार 39 क्विंटल दलहन एवं तिलहन फसलों का उपार्जन किया गया,जिसके एवज में किसानों को 219.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया।

## पढ़ाई की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ सड़क पर उतरे 12वीं के छात्र

### शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं पहुंचने और नियमित कक्षाएं नहीं लगने से नाराज विद्यार्थी,बीईओ कार्यालय के घेराव के लिए निकले



-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

सरकारी स्कूल में पढ़ाई की बदहाल व्यवस्था से नाराज 12वीं के छात्र-छात्राएं सोमवार को सड़क पर उतर आए। मामला लखनपुर के पुपुत्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं पहुंचने और नियमित कक्षाएं नहीं लगने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। अपनी शिकायत लेकर छात्र-छात्राएं बीईओ कार्यालय के घेराव के लिए निकल पड़े। विद्यार्थियों का आरोप है कि स्कूल में करीब 24 शिक्षकों का स्टाफ होने के बावजूद पढ़ाई प्रभावित हो रही है। हिंदी, कृषि और आर्ट्स संकाय में शिक्षकों की कमी के कारण बोर्ड परीक्षा की तैयारी नहीं हो पा रही है। इससे विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होने की चिंता है। एक छात्रा ने आरोप लगाया कि शिक्षकों के समय पर स्कूल आने की बात कहने पर प्राचार्य ने टीसी काटने की धमकी दी। विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण नहीं कराने और फंड की कमी का हवाला देकर उनकी मांगों को टालने का भी आरोप लगाया है। छात्र-छात्राओं ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और नियमित कक्षाएं संचालित कराने की मांग की है।

## मंदिर जाने निकली किशोरी जहर सेवन करके जान दी

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**




सरगुजा जिले के लुंड्रा थाना क्षेत्र की एक किशोरी जहरीले पदार्थ का सेवन करके जान दे दी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक,लुंड्रा थाना क्षेत्र के परसापारा की 16 वर्षीय किशोरी शिमला पिता कुंवर साय 9 सितंबर को सुबह 8 बजे घर से मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकली थी, और बस में बैठकर मंदिर तक पहुंच गई। किशोरी की मां शांति ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे शिमला की सहेली का फोन उनके पति के मोबाइल में आया,वह बताई कि शिमला धौरपुर बरगीडीह में मंदिर के पास जहर खा ली है। इसकी सूचना उन्होंने तत्काल पटोरा में ब्याही पुत्री विमला को दी। घटनास्थल पर पहुंचे विमला के पति जब अपनी साली शिमला से पूछताछ किया तो वह बताई कि जहर खा ली है। उसे तत्काल धौरपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया,यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे,यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। किशोरी जहर क्यों खाई,इसका कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

## रात में उठा सीने में दर्द,अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

गांधीनगर थाना क्षेत्र के नवापारा निवासी एक युवक के सीने में दर्द उठा,अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक,मृतक दिलेश्वर सिंह पिता स्व.शोभनाथ 39 वर्ष,को करीब एक माह से कमजोरी की शिकायत थी और चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। 14 नवंबर को परिवार के सभी सदस्य घर पर थे। मृतक की पत्नी चंचला सिंह ने पुलिस को बताया उसके पति सुबह से खाना नहीं खाए थे। शाम को भी बिना खाना खाए ही सो गए। देर रात करीब 3 बजे उन्हें अचानक सीने में दर्द उठा और सांस लेने में तकलीफ होने लगी। रात ज्यादा होने के कारण वे उन्हें तत्काल अस्पताल नहीं ले गए। दूसरे दिन 15 नवंबर को तबीयत में सुधार नहीं होने पर होलीक्रॉस अस्पताल लेकर जा रहे थे लेकिन यहां आते तक तबीयत और बिगड़ गई और वे बातचीत करना बंद कर दिए। होलीक्रॉस अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है,और शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

## छठ पर्व के दिन गोधनपुर के दो घरों से 25 लाख का जेवरात पार







-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

सरगुजा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। गोधनपुर पानी टंकी चैक के पास एक ही शाम में दो सूने मकानों में चोरों ने धावा बोल दिया। छठ पर्व के कारण मोहल्ला खाली था,इसका फायदा उठाकर चोरों ने ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर में रखा लाखों रुपये का सोने-चांदी का जेवरात और नकदी रकम पार कर दिया। दोनों घरों में हुई 25 लाख रुपये की चोरी का अंदेशा है। जानकारी के मुताबिक,गोधनपुर में पानी टंकी चैक के पास रहने वाले संजय कुमार प्रसाद पिता स्व.नगवंत प्रसाद 56 वर्ष, 15 नवंबर की शाम को 4 बजे परिवार सहित घर में ताला लगाकर घुनघुटा बांध में छठ पर्व मनाने गए थे। शाम करीब 7 बजे लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था और ताले पर रॉड से चोट के निशान थे। अंदर जाकर देखा तो घर का पूरा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी के दोनों दरवाजे खुले थे। अलमारी के अंदर का लॉकर तोड़ा गया था। अंदर अलमारी खुली पड़ी थी और पूरा सामान बिखरा हुआ था।अलमारी का लॉकर तोड़कर चोर सोने के जेवरातों में सोने का 05 टप्स,01 नेकलेस,01 चैन, 05 लॉकेट,01 अंगूठी,नाक का 06 कील, 01 नथ,चांदी का 05 जोड़ी पायल, 12,500 रुपये नगद और गुल्लक में रखा 1000 रुपये ले गए थे। घटना शाम 4 से 7 बजे के बीच की बताई गई है। चोर ने शातिर तरीके से सिर्फ जेवरात और नकदी को निशाना बनाया,घर में रखा लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान छोड़ दिया। पड़ोस के घर में भी चोर ने धावा बोला था। घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और डॉग स्क्वायड,फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की मदद से जांच की।

**शिक्षक मनोज सिंह के घर से 10 लाख का जेवरात चोरी :** इसी गली में शिक्षक मनोज सिंह के घर में भी उसी समय ताला तोड़कर चोरी हुई। मनोज सिंह ने बताया कि उनके घर से भी चोरी करीब 10 लाख का जेवरात पार कर दिया। शिक्षक ने बताया कि छठ पर्व के कारण पूरा मोहल्ला सूना था,सभी लोग छठ घाट या घुनघुटा डैम में पूजा करने गए थे। जब वे घर पहुंचे तो गेट बाहर से बंद दिखा लेकिन ताले में चोट के निशान थे,अंदर का लकड़ी का दरवाजा पूरा खुला था। अलमारी के दोनों दरवाजे खुले थे,कपड़े और किताबें सहित पूरा सामान बिखरा हुआ थी। पड़ोस के घर में भी ताला टूटा हुआ था। उनके घर में चोर मुख्य प्रवेश द्वार का ताला रॉड से तोड़कर प्रवेश किए,पीछे के गेट की कुंडी को भी चोरों ने तोड़ दिया था। अंदर जाने पर घर के 3 अलमारी और 2 अलमारी का लॉकर टूटा मिला। एक लॉकर में पूरे आभूषण थे,कैश एक थैले में रखा था। लाल बैग में हार और छोटे बैग में अंगूठी, चैन रखा था। चोर सोने का चैन,हार, दो अंगूठी,बिछिया,पायल,कनबाली सहित लगभग 10 लाख का जेवरात लेकर डिब्बा छत पर फेंक दिए थे। पुलिस दोनों मामलों में डॉग स्क्वायड और फिंगर प्रिंट टीम के साथ जांच के बाद चोर के तलाश में लगी है। संभावना नशेड़ी किस्म के लोगों के द्वारा वारदात को अंजाम देने की बनी है।

### पुलिस थी मौजूद,छत से कूदकर भागा चोर

घटना के समय आसपास के लोग भी छठ पूजा में व्यस्त थे,पूरा मोहल्ला खाली था। मौके पर पहुंची पुलिस विवेचना में लगी थी। जब मनोज सिंह पुलिस को चोरी गए सामानों की सूची बनाकर दे रहे थे,तभी भीड़ की नजर छत के ऊपर मौजूद चोर पर पड़ी। इस दौरान उनके साढ़ू के वाहन चालक ने देखा कि काला जैकेट पहना एक व्यक्ति छत से दोनों जेब पकड़ कर कूदा और झाड़ियों में गुम हो गया। भागते समय वह लंगड़ा भी रहा था, जिससे संभावना कूदने के दौरान चोट लगने की बनी हुई है। पुलिस डॉग भी उसी झाड़ी की तरफ गया लेकिन चोर हाथ नहीं लगा। पीड़ितों का कहना है कि चोरी की वारदात को रेकी करके अंजाम दिया गया है। छठ पूजा के दौरान किस घर में कौन रहेगा, नहीं रहेगा, इसकी पूरी जानकारी चोरों को थी।

### नशेड़ी किस्म के युवकों पर संदेह

मोहल्ले के लोगों ने बताया कि गली के अंतिम छोर पर कुछ नशेड़ी किस्म के युवक रहते हैं, जो कबाड़ और छोटा-मोटा सामान बेचते हैं। संभावना जताई गई है कि इनके द्वारा ही चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया होगा। दोनों मामले में थाना देहात गांधीनगर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है, और पुलिस अग्रिम जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगाल रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि,जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

### गर्भवती महिलाओं को नहीं मिल रहा पौष्टिक भोजन और यात्रा भत्ता...

## विस्तारित पीएमएसएमए योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही का आरोप, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सीएमएचओ से की जांच और कार्रवाई की मांग

-संवाददाता-
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दरिमा के अंतर्गत आने वाले स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलने का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की ब्लॉक शाखा अम्बिकापुर ने जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम और विस्तारित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ( एक्सटेनडेड पीएमएसएमए ) के क्रियान्वयन में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) से शिकायत की है। संघ ने मामले की निष्पक्ष जांच कर पात्र महिलाओं को लंबित राशि का भुगतान कराने की मांग की है। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत कुमार मरावी ने शिकायत में बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क प्रसवपूर्व जांच,उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान,परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराने का प्रावधान है। वहीं, विस्तारित योजना के तहत जांच के लिए



आने वाली प्रत्येक गर्भवती महिला के पौष्टिक भोजन पर 150 रुपए खर्च किए जाने हैं। इसके अलावा उच्च जोखिम गर्भावस्था (एचआरपी) वाली महिलाओं को जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र आने-जाने पर प्रति विजिट 100 रुपए के हिसाब से अधिकतम तीन बार कुल 300 रुपए यात्रा भत्ता डीबीटी के माध्यम से दिया जाना है। आरोप है कि पात्र महिलाओं को न तो निर्धारित पौष्टिक भोजन की सुविधा मिल रही है और न ही यात्रा भत्ते का भुगतान किया जा रहा है। संघ ने इसे शासन की मंशा के विपरीत बताते हुए योजना के आवंटन, खर्च, हितग्राहियों की सूची और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जांच कराने की मांग की है। साथ ही, वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा लंबित भुगतान तत्काल कराने की मांग की है। इस संबंध में कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक को भी प्रतिलिपि भेजी गई है।

## नाबालिग से कराया रीपर मशीन में काम,दो उंगलियां कटीं...

### पिता ने थाने में दी अर्जी, बोला-मालिक घायल बेटे को छोड़कर भाग गया

-संवाददाता-
**बलरामपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

जिले में नाबालिग किशोर श्रम और मालिक की लापरवाही का मामला सामने आया है। ओबरी गांव में 16 साल के लड़के की दो उंगलियां रीपर मशीन में कट गईं। पीड़ित के पिता ने अब थाने में लिखित आवेदन देकर रीपर मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है। आवेदक सुशील सिंह पिता स्व. रामतिलक सिंह निवासी ग्राम ओबरी थाना बलरामपुर ने पुलिस को बताया है कि,घटना दिनांक 06 नवंबर को दोपहर 01.30 से 02 बजे के बीच ग्राम ओबरी निवासी रीपर मशीन मालिक जयनाथ सिंह अपनी मशीन से गोविंद सिंह के खेत में धान की कटाई करा रहा था। आरोप है कि जयनाथ सिंह ने उसके नाबालिग बेटे अभिजीत सिंह 16 साल को बिना किसी प्रशिक्षण और बिना सुरक्षा उपकरण के खतरनाक रीपर मशीन पर काम पर लगा दिया। धान काटते समय मशीन की चपेट में आने से अभिजीत के हाथ की दो उंगलियां कट गईं। आरोप है कि घटना के दिन जयनाथ सिंह कुछ मिनट के लिए मौके पर आया और फिर चले गया। घटना के बाद वह न तो घायल बच्चे को देखने आया और न ही इलाज में कोई मानवीय या आर्थिक मदद की। वर्तमान में घायल अभिजीत का इलाज गंभीर अवस्था में शासकीय जिला अस्पताल बलरामपुर में चल रहा है।

## मंत्री राजेश अग्रवाल ने विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में पूजा-अर्चना कर किया धान खरीदी का शुभारंभ

### किसानों को परेशानी न हो,समिति प्रबंधकों को दिए सख्त निर्देश,रकबा संबंधी त्रुटियों का शीघ्र निराकरण करने का दिया भरोसा

-संवाददाता-
**लखनपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने अपने कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के साथ क्षेत्र के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का दौरा कर विधिवत पूजा-अर्चना के साथ धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कांटा-तराजू की पूजा-अर्चना की,धूप-अगरबत्ती जलाकर एवं नारियल फोड़कर खरीदी प्रक्रिया की शुरुआत की। कार्यक्रम में संबंधित समितियों के प्रबंधक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। किसानों को प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का लाभ दिया जा रहा है। यदि कोई किसान फिलहाल अपने खाते में दर्ज धान में से 10 क्विंटल धान समिति में विक्रय करता है, तो शेष 11 क्विंटल के अंतर की



बोनस राशि भी नियमानुसार उसके खाते में अंतरित किए जाने की व्यवस्था के संबंध में किसानों को जानकारी दी गई। मंत्री ने कहा कि जिन किसानों का धान का रकबा किसी कारणवश घट गया है अथवा राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटियां हैं, उनका शीघ्र निराकरण कराया जाएगा। शासन द्वारा ड्रोन कैमरे के माध्यम से गिरदावरी कराई गई है तथा किसानों के रिकॉर्ड दुरुस्त करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि किसी भी किसान का वास्तविक हक प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों के समिति प्रबंधकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए। खरीदी प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं सुचारु व्यवस्था के साथ संचालित की जाए। यदि किसी किसान को अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता है,तो संबंधित समिति प्रबंधक की जवाबदेही तय की जाएगी। मंत्री श्री अग्रवाल ने किसानों से अपील की कि वे शासन की धान खरीदी व्यवस्था का लाभ उठाएं तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएं। इस दौरान जमगला,निम्हा,कोरजा-बिनकरा, पुहपुटरा,लहपटरा,अंबिकापुर ग्रामीण क्षेत्र के रामपुर एवं लखनपुर क्षेत्र के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर खरीदी कार्य का शुभारंभ किया गया।



# छठ महापर्व संपन्न होते ही रेड नदी घाट पर पसरा सन्नाटा,

# दो दिनों तक आस्था और भक्ति से गुलजार रहा तट

## सूरजपुर के रेड नदी छठ घाट पर उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब,अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने पूरा किया कठिन अनुष्ठान

### आकर्षक सजावट,बेहतर व्यवस्थाओं और छठ गीतों से दो दिनों तक बना रहा भक्तिमय माहौल

-ओंकार पाण्डेय-

**सूरजपुर,16 नवंबर 2026 (घटती घटना)।**

लोक आस्था,श्रद्धा और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ विधि-विधानपूर्वक संपन्न हो गया,छठ महापर्व के दौरान सूरजपुर की रेड नदी का तट अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक छटा से सराबोर रहा, नदी के किनारे सजे छठ घाट,आकर्षक सजावट,रोशनी,पूजा की तैयारियां और हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया था,जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु यहां सूर्योपासना के लिए पहुंचे,लेकिन सोमवार की सुबह अंतिम अर्घ्य और पारण के साथ ही दो दिनों से गुलजार रेड नदी छठ घाट पर धीरे-धीरे सन्नाटा छाने लगा, जहां कुछ घंटे पहले तक छठी मइया के जयकारे और पारंपरिक गीत गूंज रहे थे,वहां अब श्रद्धालुओं की भीड़ की जगह सामान्य शांति दिखाई देने लगी।

**नदी के तट पर छठ की परंपरा ने बढ़ाई पर्व की भव्यता**-सूरजपुर की रेड नदी के किनारे छठ पूजा का अपना विशेष आकर्षण



दिखाई देता है, नदी का विस्तृत तट और जल के बीच खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने की परंपरा इस पर्व की धार्मिक अनुभूति को और गहरा कर देती है,छठ के अवसर पर रेड नदी घाट को विशेष रूप से सजाया गया था,पूजा के लिए निर्धारित स्थानों पर आकर्षक सजावट की गई और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। नदी के किनारे दूर-दूर तक दिखाई देती श्रद्धालुओं की कतारें, पारंपरिक वेशभूषा में व्रती महिलाएं और पूजा सामग्री से सजे सूप-दउरा घाट की सुंदरता को और बढ़ा रहे थे,जिला मुख्यालय के साथ आसपास के क्षेत्रों के लोग भी परिवार सहित रेड नदी छठ घाट पहुंचे,श्रद्धालुओं ने फल,फूल, नारियल,गन्ना,ठेकुआ और अन्य पारंपरिक प्रसाद से सजे सूप और दउरा के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की,रविवार की शाम अस्ताचल गामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य अर्पित करते समय पूरा घाट छठी मइया के जयकारों और पारंपरिक छठ गीतों से गूंज उठा,डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह पूरी रात बना रहा।

**उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने पूरा किया अनुष्ठान**-सोमवार की सुबह एक बार फिर रेड नदी घाट पर श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हुई,व्रती महिलाएं और पुरुष उगते सूर्य की प्रतीक्षा में नदी के जल में खड़े रहे,जैसे ही सूर्य की पहली किरण दिखाई दी, श्रद्धालुओं ने जल और दूध से अर्घ्य अर्पित कर छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और सभी के स्वस्थ जीवन की कामना की, इसके साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का अंतिम अनुष्ठान पूरा हुआ, व्रतियों ने पारण कर अपना कठिन निर्जला व्रत समाप्त किया और घर लौटकर परिवार तथा परिचितों के बीच प्रसाद वितरित किया।

**दो दिनों की रौनक के बाद फिर सामान्य हुआ रेड नदी का तट**-छठ महापर्व के समापन के बाद रेड नदी छठ घाट की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है,दो दिनों तक जहां नदी का तट श्रद्धालुओं की भीड़,रोशनी, सजावट,धार्मिक आयोजनों और छठ गीतों से गुलजार था,वहीं अब वहां धीरे-धीरे सन्नाटा लौट आया है,पूजा के लिए पहुंचे परिवार अपने घरों को लौट चुके हैं और घाट पर पर्व की चहल-पहल समाप्त हो गई है, हालांकि छठ के दौरान नदी तट की भव्यता और श्रद्धालुओं की सामूहिक आस्था की छाप अभी भी लोगों के मन में बनी हुई है, रेड नदी घाट पर संपन्न हुआ यह आयोजन एक बार फिर दर्शाता है कि छठ महापर्व सूरजपुर के लोगों की धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता का महत्वपूर्ण पर्व है,सूर्य और जल की उपासना से जुड़ी यह परंपरा लोगों को प्रकृति के प्रति सम्मान, अनुशासन,तपस्या और पारिवारिक मंगलकामना का संदेश देती है,चार दिनों तक चले अनुष्ठान के बाद भले ही घाट की रौनक लौट गई हो,लेकिन श्रद्धालुओं के मन में छठी मइया के प्रति श्रद्धा और अगले वर्ष फिर इसी उत्साह से पर्व मनाने की प्रतीक्षा बनी हुई है।

#### भजन-कीर्तन और छठ गीतों से रातभर गूंजता रहा घाट

छठ पूजा के अवसर पर रेड नदी घाट पर केवल पूजा-अर्चना ही नहीं,बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी विशेष माहौल रहा,छठ पूजा समिति की ओर से की गई तैयारियों के बीच भजन-कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए,छठ गीतों की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा,परिवारों के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ पर्व में भागीदारी निभाई,बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में छठ पूजा को लेकर उत्साह दिखाई दिया।

#### प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में शांतिपूर्ण आयोजन

छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं,घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान दिया गया,सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल भी मुस्तैद रहा,घाट के विभिन्न स्थानों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में पूजा संपन्न कर सकें,छठ पूजा समिति के सदस्यों ने भी आयोजन को व्यवस्थित बनाने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।

# खरफरी नाला के पास सड़क हादसे में युवक की मौत,वाहन चालक फरार

## दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौट रहा था 25 वर्षीय विशाल दास






**-संवाददाता-**
**उदयपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

खरफरी नाला के समीप बुधवार रात करीब 9:30 बजे हुए सड़क हादसे में ग्राम जजगी निवासी विशाल दास उर्फ चीकू (25) की मौत हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार,विशाल उदयपुर सेंट्रल बैंक के पास पान की दुकान संचालित करता था। बुधवार रात दुकान बंद कर स्कूटी से अपने गांव जजगी लौट रहा था। इसी दौरान खरफरी नाला के पास वह हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर की मर्चुरी में रखवाया गया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। युवक की असामयिक मौत से परिवार में मातम पसरा है। वहीं,ग्राम जजगी सहित आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है। हादसे के बाद से फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

# जनजातीय गौरव दिवस : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया समाज प्रमुखों का सम्मान,पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिले आयुष्मान कार्ड

**-संवाददाता-**
**बलरामपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को बलरामपुर के हाई स्कूल मैदान में जिला स्तरीय 'जनजातीय गौरव दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति,कला,आस्था और पारंपरिक जीवन शैली की एक अनूठी और जीवंत तस्वीर देखने को मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री व जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित रहीं।

**आकर्षण का केंद्र बनी 'देवगुड़ी' और पारंपरिक व्यंजन :** समारोह की शुरुआत अतिथियों द्वारा विभिन्न विभागीय स्टॉलों के निरीक्षण से हुई। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा तैयार'देवगुड़ी' (पारंपरिक जनजातीय देवस्थल) ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसके अलावा, प्रदर्शनी में हंसली,नागमोरी,रुपया माला जैसे पारंपरिक आभूषणों के साथ-साथ मांदर और ढोल जैसे वाद्य यंत्रों को सजाया गया था। मिट्टी की दीवारों और भित्ति चित्रों से सजे पारंपरिक जनजातीय आवास ने आदिवासी रहन-सहन को सजीव कर



दिया। ट्राइबल फूड स्टॉल पर स्वाद और संस्कृति का बेहतरीन मेल दिखा। यहाँ चीला,ठेकवा,महुआ लाटा,महुआ लड्डू और फुटकल व मछली की सुकटी समेत 50 से अधिक पारंपरिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए।

**अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा का प्रतीक हैं बिरसा मुंडा :** अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान को याद करते हुए कहा कि कम उम्र में ही उन्होंने अन्याय के खिलाफ जो बिगुल फूंका, वह आज भी हमें स्वाभिमान की रक्षा की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 'पीएम जनमन' और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' जैसी योजनाओं के माध्यम से आदिवासी बहुल इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हिरामुनी निकुंज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनजातीय परंपराओं को सहेजने और सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया।

**युवा अपने सपनों को सीमित न रखें:**बलरामपुर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले की वन संपदा और लोक संस्कृति की सराहना की। उन्होंने आदिवासी युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को कभी सीमित न रखें। उन्होंने कहा कि जिले के युवा भी डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनकर देश में अपना नाम रोशन कर सकते हैं।

**स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का हुआ सम्मान :** समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों तथा जनजातीय समाज के प्रमुखों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, विशेष पिछड़ी जनजाति (पहाड़ी कोरवा) के 5 लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले में अब तक 19,179 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो तय लक्ष्य का 97.14 प्रतिशत है। कार्यक्रम में करचा और धनजी के नर्तक दलों तथा स्कूली छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर,डीएफओ श्री आलोक बाजपेयी,सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री समीक्षा जायसवाल सहित कई जनप्रतिनिधि,अधिकारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

# चांदो पुलिस की बड़ी कार्रवाई : झारखंड ले जाए जा रहे मवेशियों से भरा पिकअप और पायलेटिंग कर रही अर्टिगा कार जब्त,दो आरोपी गिरफ्तार

**-संवाददाता-**
**चांदों बलरामपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

जिले के थाना चांदो पुलिस ने गोवंश की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए झारखंड के बूचड़खाने ले जाए जा रहे मवेशियों से भरे पिकअप वाहन और उसकी पायलेटिंग कर रही अर्टिगा कार को जब्त कर लिया है। मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 15 नवंबर 2026 की सुबह करीब 05:00 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि सामरी की ओर से एक पिकअप वाहन में कुछ लोग क्रूरतापूर्वक भैंस भरकर बूचड़खाने ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चांदो, निरीक्षक मनीष कुमार नेताम ने अपनी टीम के साथ तत्काल सतर्कता बरतते हुए कंठीघाट तीनमोडवा ग्राम मगाजी मेनरोड के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर पिकअप वाहन के चालक और अन्य लोग वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार होने में कामयाब



हो गए। हालांकि,पिकअप वाहन के आगे-आगे उसकी सुरक्षा और निगरानी (पायलेटिंग) कर रही एक अर्टिगा कार को पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस के द्वारा कार में सवार दोनों आरोपियों को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया।

**बरामद मवेशी और जब्त संपत्ति :** पुलिस ने घटनास्थल से मौके पर छोड़े गए पिकअप वाहन से 5 नग जीवित भैंस और 1 नग मृत भैंस (कुल 6 मवेशी) बरामद किया।

# किसानों के विभिन्न समस्या को लेकर धर्मेन्द्र झारिया के नेत्रुत्व मे लहपटरा के पास किया गया विरोध प्रदर्शन नायब तहसीलदार के समझाइस के बाद ग्रामीण लौटे वापस

**-संवाददाता-**
**अम्बिकापुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।**

किसानों के विभिन्न समस्या को लेकर के विगत दिनों से सरगुजा कलेक्टर सहित क्षेत्रीय विधायक एवं छत्तीसगढ़ कैबिनेट मंत्री के समक्ष कई बार आवेदन ग्रामीणों के द्वारा प्रस्तुत किया गया कि उन्हें धान बेचने हेतु कोरजा धान खरीदी केंद्र में सम्मिलित ना किया जाए उनके लिए एक नया समिति खोला जाए



या तो उन्हें पूर्व की तरह निम्हा धान खरीदी केंद्र में धान की बिक्री किए जाने हेतु स्वतंत्र किया जाए किसानों का कहना है कि धान खरीदी केंद्र कोरजा में होने से उन्हें आवागमन सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा इसको ध्यान में रखते हुए पूर्व के वर्ष की भांति निम्हा धान खरीदी केंद्र में ही धान की बिक्री किए जाने हेतु यथावत रहने दी जाए इस समस्या को लेकर के कई बार कई अधिकारियों को जानकारी दिए जाने के पश्चात भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई ना ही किसानों की समस्या का समाधान किए जाने हेतु प्रयास किया गया जिसको देखते हुए पूर्व जनपद सदस्य वर्तमान जनपद सदस्य प्रतिनिधि धर्मेन्द्र कुमार झारिया, सरपंच प्रतिनिधि शिवप्रताप,अजय उर्रे के अगुवाई में आज लहपटरा एन एच 130 नेशनल हाईवे में चक्का जाम करने का कार्य किए जाने हेतु एकत्रित हो रहे थे कि प्रशासन के टीम आकर उन्हें काफी समझाइस दिया गया और उनके हर समस्या का समाधान किए जाने हेतु प्रशासन स्तर पर पहल किए जाने के लिए अग्रिम कार्यवाही किए जाने का आश्वासन नायब तहसीलदार सर्वेश कुमार पटेल सहित अन्य पदाधिकारी के द्वारा दी गई ! प्रदर्शन में आए कई किसान का रकबा सहित अन्य कई समस्या होने के कारण किसान काफी परेशान नजर आए जिसका समाधान किए जाने हेतु प्रशासन स्तर पर नायब तहसीलदार के द्वारा पहल करने की बात कही वही ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार की भयावह समस्या होने से किसान अपने उपार्जित धान को धान खरीदी केंद्र में नहीं भेज पाएंगे।

CMYK



# उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न,दो दिनों की रौनक के बाद सूने हुए घाट

## चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन,सूर्योपासना में सराबोर रहा कोरिया-एमसीबी





छठी मइया के जयकारों से गूंजे घाट,उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतियों ने खोला व्रत

आस्था के सैलाब के बीच संपन्न हुआ छठ महापर्व,घाटों पर उमड़ी श्रद्धा की भीड़

डूबते और उगते सूर्य की उपासना,चार दिनों तक भक्ति के रंग में रंगा रहा पूरा अंचल

रातभर भजन-कीर्तन,भोर में सूर्य को अर्घ्य,छठ महापर्व के साथ घाटों की रौनक लौटी

घाटों पर उमड़ी आस्था, जनप्रतिनिधियों ने भी व्रतियों के बीच पहुंचकर दी शुभकामनाएं

कोरिया-एमसीबी में उमड़ा आस्था का जनसैलाब,रातभर गूंजे छठ गीत और भजन-कीर्तन

मंत्री,विधायक सहित पक्ष-विपक्ष के जनप्रतिनिधियों ने व्रतियों से की मुलाकात, पारण के बाद घरों में बंटा प्रसाद

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/चिरमिरी/सोनहत/पटना, 16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

'मइया खोल नाहीं केवड़िया,दर्शनवा देहु ना...'और'जोड़े-जोड़े सुपवा तोरे चढ़इबो ना छठी मइया...'जैसे पारंपरिक छठ गीतों की मधुर धुनों के बीच सोमवार की भोर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा विधि-विधान,श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हो गया,कोरिया और एमसीबी जिले के विभिन्न छठ घाटों पर दो दिनों से दिखाई दे रही रौनक, साज-सज्जा और श्रद्धालुओं की चहल-पहल अब धीरे-धीरे समाप्त हो गई,रविवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य देने के बाद पूरी रात भजन-कीर्तन और छठ गीतों से गूंजते रहे घाट सोमवार की सुबह अंतिम अर्घ्यदान के बाद शांत होने लगे,व्रतियों ने सूर्यदेव और छठी मइया से परिवार की सुख-समृद्धि,संतान के दीर्घायु जीवन,स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। इसके बाद पारण कर अपना कठिन निर्जला व्रत पूरा किया और घर लौटकर परिजनों, रिश्तेदारों तथा परिचितों के बीच प्रसाद वितरित किया।

छठ महापर्व के अंतिम दिन सोमवार की सुबह से ही जिले के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था,रातभर पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजनों के बाद भी व्रतियों का उत्साह कम नहीं हुआ,पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं और पुरुष अपने परिवार के सदस्यों के साथ सूप और दउरा में फल,गन्ना, नारियल, ठेकुआ तथा अन्य पूजन सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचे, जैसे ही पूर्व दिशा में सूर्य की लालिमा दिखाई देने लगी,व्रती जल में खड़े होकर उदीयमान सूर्य की प्रतीक्षा करने लगे,सूर्य की पहली किरण के साथ जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया गया, इस दौरान छठी मइया के जयकारों और पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा,पूजा संपन्न होने के बाद व्रतियों ने परिवार के सदस्यों के साथ पारण किया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

### पारण और प्रसाद वितरण के साथ घरों में लौटी रौनक

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद चार दिवसीय अनुष्ठान का समापन हुआ, व्रतियों ने पूजा संपन्न कर पारण किया और अपने घरों की ओर लौटने लगे,घरों में छठी मइया को अर्पित ठेकुआ,फल और अन्य प्रसाद का वितरण किया गया,परिवार और आसपास के लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं, इसके साथ ही दो दिनों से घाटों पर बनी उत्सव की रौनक भी धीरे-धीरे समाप्त हो गई,छठ महापर्व की विशेषता केवल सूर्य की उपासना तक सीमित नहीं है,यह पर्व कठिन तपस्या,अनुशासन, स्वच्छता, पारिवारिक एकजुटता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश भी देता है,उगते और डूबते सूर्य दोनों को समान श्रद्धा से अर्घ्य देने की परंपरा जीवन के हर पड़ाव के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करती है,कोरिया और एमसीबी जिले में श्रद्धालुओं की व्यापक भागीदारी ने एक बार फिर यह दिखाया कि छठ महापर्व लोगों को आस्था के साथ सामाजिक और पारिवारिक एकता के सूत्र में भी जोड़ता है, घाटों से भले ही रौनक लौट गई हो, लेकिन छठी मइया के प्रति श्रद्धा और पर्व की स्मृतियां लोगों के मन में बनी रहेंगी।

### छठ घाट पर देवरहा बाबा सेवा समिति ने किया कॉफी और बिस्कुट का वितरण, विधायक भैयालाल राजवाड़े व पुलिस अधीक्षक का किया आत्मीय स्वागत

लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर देवरहा बाबा सेवा समिति ने सेवा और समर्पण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए छठ घाट पर श्रद्धालुओं एवं व्रतियों के बीच कॉफी और बिस्कुट का वितरण किया,समिति के सदस्यों ने पूरे उत्साह और सेवाभाव के साथ घाट पर पहुंचे श्रद्धालुओं की सेवा की, इस अवसर पर बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े का समिति के सदस्यों ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया,विधायक ने छठ घाट का भ्रमण कर व्रतियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की तथा सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं,वहीं जिले के पुलिस अधीक्षक का भी समिति की ओर से आत्मीय स्वागत किया गया,समिति के सदस्यों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक एकता,आपसी भाईचारे और सेवा की भावना को मजबूत करना समिति का प्रमुख उद्देश्य है, छठ जैसे आस्था के महापर्व पर श्रद्धालुओं के बीच सेवा कार्य करना उनके लिए सौभाग्य की बात है,समिति ने समस्त छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख,शांति और समृद्धि की कामना की, समिति का संदेश रहा– सेवा ही संकल्प, समाज ही परिवार।



## आस्था का महासागर,घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

कोरिया और एमसीबी जिले में छठ महापर्व को लेकर इस बार भी लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दिया,बैकुंठपुर,चिरमिरी,मनेंद्रगढ़,चरचा,खड़गवां,नागपुर, नई लेदरी,खोंगापानी,झगराखांड,भरतपुर और पटना सहित विभिन्न नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छठ पूजा की धूम रही,पटना के झूमरपारा तालाब,कटकोना एसईसीएल जलाशय,गोबरी जलाशय,राम मंदिर तालाब,झुमका बांध और गेज नदी तट सहित अनेक स्थानों पर बड़ी संख्या में व्रती और श्रद्धालु पहुंचे,घाटों पर परिवार सहित पहुंचे श्रद्धालुओं ने पारंपरिक तरीके से सूर्योपासना की,कहीं महिलाएं छठ गीत गाते हुए पूजा की तैयारियों में जुटी दिखाई दीं,तो कहीं परिवार के सदस्य सूप और दउरा लेकर व्रतियों के साथ खड़े होकर अर्घ्यदान में सहयोग करते नजर आए,जलाशयों और नदी तटों पर श्रद्धालुओं की कतारें तथा पूजा सामग्री से सजे घाट पर्व की व्यापकता और लोगों की गहरी आस्था को प्रदर्शित कर रहे थे।

## झूमरपारा तालाब में जगह पड़ी कम,घाट विस्तार की उठी आवश्यकता

पटना के झूमरपारा तालाब में श्रद्धालुओं की संख्या इस बार भी काफी अधिक रही, भीड़ के कारण व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए पर्याप्त स्थान की कमी महसूस हुई, तालाब की सीढ़ियों और किनारों पर सूप-दउरा लेकर श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं, घाट का उपलब्ध स्थान लगभग भर जाने से आयोजन समिति के सामने भीड़ को व्यवस्थित रखने की चुनौती रही,समिति ने तालाब पर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए छठ घाट के विस्तार और सुविधाओं की आवश्यकता की ओर ध्यान आकृष्ट कराया,इस पर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि छठी मइया का आशीर्वाद रहा तो अगले वर्ष व्रतियों के लिए स्थान की कमी नहीं होने दी जाएगी,घाट के विस्तार और सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम कराने की बात भी कही गई,श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए झूमरपारा तालाब पर स्थायी और सुविधायुक्त छठ घाट का विस्तार स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण आवश्यकता के रूप में सामने आया।

## छठ घाटों पर जनप्रतिनिधियों की भी रही सक्रिय मौजूदगी

छठ महापर्व के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी चर्चा में रही,एमसीबी जिले में स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल लगभग सभी प्रमुख छठ घाटों पर पहुंचे और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं,उन्होंने व्रतियों और परिवारों के बीच पहुंचकर छठ महापर्व की खुशियां साझा कीं,वहीं बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े भी छठ घाटों पर पहुंचे और व्रती महिलाओं तथा श्रद्धालुओं से भेंट कर उनकी कुशलक्षेम जानी, इसके अलावा भाजपा और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के स्थानीय प्रतिनिधि तथा नगर पालिका और नगर पंचायतों के जनप्रतिनिधि भी अपने-अपने क्षेत्रों के छठ घाटों पर मौजूद रहे,पक्ष और विपक्ष के प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने पर्व के दौरान स्थानीय जनसंपर्क को भी एक अलग दृश्य दिया,हालांकि घाटों पर सभी की उपस्थिति का प्रमुख अवसर छठ महापर्व और श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता रहा,जनप्रतिनिधियों ने व्रतियों से बातचीत की,पर्व की शुभकामनाएं दीं और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

### श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर रहा ध्यान

छठ महापर्व के दौरान घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने को देखते हुए स्थानीय छठ पूजा समितियों,नगरीय निकायों और प्रशासन की ओर से व्यवस्थाएं की गई थीं,श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो,इसके लिए आवश्यक इंतजाम किए गए,वहीं भीड़ को व्यवस्थित रखने और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की मौजूदगी भी रही,पूजा समितियों के सदस्यों और स्थानीय लोगों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया,छठ पर्व के दौरान घाटों पर केवल व्रती ही नहीं,बल्कि उनके परिजन,रिश्तेदार और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मौजूद रहे,ऐसे में श्रद्धालुओं की आवाजाही और पूजा के लिए स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया,जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया और श्रद्धालुओं से संवाद किया।

## छठ घाट पर अशोक जायसवाल ने श्रद्धालुओं को अपने हाथों से पिलाई चाय,बिस्कुट का भी किया वितरण

लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष,जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं समाजसेवी अशोक जायसवाल ने प्रतिवर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए छठ घाट पर श्रद्धालुओं और व्रतियों के बीच चाय एवं बिस्कुट का वितरण किया, उन्होंने स्वयं अपने हाथों से श्रद्धालुओं को चाय और बिस्कुट वितरित कर सेवा एवं समर्पण का संदेश दिया, इस दौरान अशोक जायसवाल ने छठ घाट का भ्रमण कर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं से मुलाकात की तथा सभी को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं,उन्होंने पूरे उत्साह और सेवाभाव के साथ श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर उनकी सेवा की, उनका कहना था कि धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से आपसी भाईचारे,सामाजिक सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करना आवश्यक है,इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण साहू,नगर पालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव 'लल्ला',पार्षद अंकित गुप्ता 'लवी',दीनू जायसवाल,जनक गुप्ता,लालदास महंत एवं दिनेश राजवाड़े सहितअन्य लोग उपस्थित रहे।

CMYK

# पटना का मिनी स्टेडियम खेल से अधिक अब शादी-विवाह का मैदान!

## मैदान में बिखरा कचरा, गंदगी से खेल गतिविधियां प्रभावित




- आखिर इन आयोजनों की अनुमति किसके द्वारा दी जा रही है?
- क्या CMO या नगर पंचायत अध्यक्ष की अनुमति ली जाती है?
- यदि अनुमति दी जाती है तो आयोजनों के बाद साफ-सफाई की जिम्मेदारी कौन लेगा?
- नगर पंचायत प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर मौन क्यों हैं?
- पटना के युवाओं को अपने ही नगर में एक स्वच्छ खेल मैदान उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी किसकी है?




# खेल प्रतिभाओं का मंच बना शादी-विवाह का ठिकाना

# कचरे के ढेर में तब्दील हुआ पटना का मिनी स्टेडियम!

## युवाओं के खेल मैदान पर आयोजनों का कब्जा,शादी-विवाह के बाद गंदगी का अंबार...

**मिनी स्टेडियम या मैरिज गार्डन? खेल मैदान को निजी आयोजनों का केंद्र बनाने पर उठे सवाल...**

**खेलने के लिए तरस रहे युवा, शादी-विवाह के आयोजनों से मैदान में फैल रही गंदगी...**

**नगर पंचायत की नाक के नीचे खेल मैदान का दुरुपयोग,आयोजनों की अनुमति किसकी शह पर?**

**शादी समारोह के बाद मैदान में बिखरे डिस्पोजल और कचरे को कर रहे मवेशी, सफाई की जिम्मेदारी तय करने में नगर पंचायत प्रशासन मौन,सीएमओ और अध्यक्ष की भूमिका पर उठे सवाल...**

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/पटना,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना में युवाओं को खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध एकमात्र मिनी स्टेडियम अब अपने मूल उद्देश्य से भटकता नजर आ रहा है,जिस मैदान को क्षेत्र के युवाओं के खेल,अभ्यास और खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए विकसित किया गया था,वह धीरे-धीरे शादी-विवाह और निजी आयोजनों का केंद्र बनता जा रहा है, निजी आयोजनों के बाद मैदान में फैलने वाली गंदगी और अव्यवस्था के कारण खेल गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं, स्थिति ऐसी बन रही है कि खेल के लिए मैदान आने वाले युवाओं को निराश होकर वापस लौटना पड़ता है,सवाल यह है कि नगर पंचायत का एकमात्र मिनी स्टेडियम आखिर किस उद्देश्य से बनाया गया था? क्या सार्वजनिक खेल मैदान को निजी आयोजनों के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति दी जा सकती है? यदि अनुमति दी जा रही है तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन हैं और आयोजन समाप्त होने के बाद मैदान की साफ-सफाई सुनिश्चित करने की जवाबदेही किसकी है?

**खेल मैदान या निजी आयोजनों का वैकल्पिक स्थल?**-नगर पंचायत पटना में खेल गतिविधियों के लिए सीमित संसाधनों के बीच मिनी स्टेडियम युवाओं के लिए महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुविधा है,ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्र के युवाओं के लिए यही मैदान खेल अभ्यास, शारीरिक गतिविधियों और आपसी प्रतियोगिताओं का प्रमुख स्थान हो सकता है,लेकिन जब इसी मैदान का उपयोग बार-बार शादी-विवाह और निजी आयोजनों के लिए होने लगे तो खेल गतिविधियों के लिए उपलब्ध अवसर स्वतः सीमित हो जाते हैं,आयोजन के दौरान टेंट,कुर्सियां,मंच और अन्य व्यवस्थाओं के कारण मैदान का बड़ा हिस्सा घिर जाता है, कार्यक्रम समाप्त होने के बाद यदि कचरा, प्लास्टिक,डिस्पोजल सामग्री और अन्य अपशिष्ट मैदान में ही छोड़ दिए जाएं तो उसकी सफाई और उपयोगिता दोनों प्रभावित होती हैं। ऐसे में युवाओं के सामने यह समस्या खड़ी होती है कि वे खेलें कहां?

**युवाओं के खेल अधिकारों की अनदेखी कब तक?**-आज के समय में खेलकूद केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है,छोटे शहरों और कस्बों में खेल मैदान युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देते हैं,लेकिन यदि उपलब्ध एकमात्र मैदान ही निजी आयोजनों में व्यस्त रहेगा तो स्थानीय युवाओं को अभ्यास के लिए दूसरे स्थान तलाशने पड़ेंगे,नगर पंचायत प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को यह समझना होगा कि मैदान केवल खाली जमीन नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य और भविष्य से जुड़ी सार्वजनिक संपत्ति है।

**नगर पंचायत प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल**-इस समस्या को लेकर नगर पंचायत प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है,जब नगर के एकमात्र खेल मैदान का उपयोग उसके मूल उद्देश्य से अलग होने लगे और उसके बाद गंदगी की समस्या सामने आए तो जिम्मेदारों को संज्ञान लेना चाहिए,क्या नगर पंचायत के पास खेल मैदान के उपयोग को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं है? क्या निजी आयोजनों के लिए अलग व्यवस्था विकसित करने की जरूरत महसूस नहीं की गई? क्या युवाओं की सुविधा को प्राथमिकता देने के लिए कोई पहल होगी? जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल विकास कार्यों का उद्घाटन करने तक सीमित नहीं हो सकती, उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सार्वजनिक सुविधाओं का लाभ वास्तव में आम नागरिकों और युवाओं को मिले।

**मैदान की व्यवस्था सुधारने के लिए जरूरी पहल**-नगर पंचायत प्रशासन को चाहिए कि मिनी स्टेडियम के उपयोग को लेकर स्पष्ट नियम सार्वजनिक करे,यदि नियमानुसार निजी आयोजनों की अनुमति दी जाती है तो उसकी प्रक्रिया,शुल्क,अवधि और सफाई की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, आयोजकों से सुरक्षा राशि लेकर आयोजन के बाद मैदान की सफाई और क्षतिग्रस्त व्यवस्था की मरम्मत सुनिश्चित की जा सकती है,साथ ही खेल गतिविधियों के लिए निश्चित समय और स्थान सुरक्षित रखा जाए,ताकि निजी आयोजनों के कारण युवाओं का अभ्यास पूरी तरह बाधित न हो,यदि मैदान का उपयोग खेल के अलावा अन्य आयोजनों के लिए किया जाना उचित नहीं है तो उस पर रोक लगाने की दिशा में भी निर्णय लिया जाना चाहिए, पटना के युवाओं को अपने ही नगर में खेल के लिए स्वच्छ और व्यवस्थित मैदान उपलब्ध कराना नगर पंचायत की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल होना चाहिए,अब देखना यह है कि नगर पंचायत प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस समस्या पर कब गंभीरता दिखाते हैं, आखिर सार्वजनिक धन और संसाधनों से विकसित मिनी स्टेडियम का लाभ युवाओं को मिलेगा या यह शादी-विवाह और निजी आयोजनों का स्थायी ठिकाना बनकर रह जाएगा?

### अनुमति किसकी,जवाबदेही किसकी?

**इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल अनुमति प्रक्रिया को लेकर है,क्या नगर पंचायत के मिनी स्टेडियम में शादी-विवाह और निजी आयोजन कराने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी की अनुमति ली जाती है? क्या नगर पंचायत अध्यक्ष की सहमति या किसी अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से ऐसे आयोजन होते हैं? क्या इसके लिए कोई निर्धारित शुल्क,शर्तें और सफाई संबंधी नियम तय हैं? यदि अनुमति दी जाती है तो क्या आयोजकों से मैदान को पूर्ववत साफ और व्यवस्थित स्थिति में लौटाने की जिम्मेदारी लिखित रूप में ली जाती है? क्या आयोजन के बाद नगर पंचायत का कोई कर्मचारी निरीक्षण करता है? और यदि बिना अनुमति के आयोजन होते हैं तो उन्हें रोकने की जिम्मेदारी किसकी है? इन सवालों का जवाब नगर पंचायत प्रशासन को सार्वजनिक रूप से देना चाहिए,सार्वजनिक संपत्ति के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है,आखिर ऐसा नहीं हो सकता कि आयोजन से किसी को सुविधा मिले और उसके बाद गंदगी तथा अव्यवस्था का बोझ नगर पंचायत और स्थानीय युवाओं को उठाना पड़े।**

# वोट बचाओ-देश बचाओ अभियान के जरिए कांग्रेस ने भरी हुंकार,भांडी और बंजारी ढांड में हुई जन चौपाल

## अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पर्यवेक्षक देबासिस पटनायक,नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और सांसद ज्योत्सना महंत ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,16 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

लोकतंत्र में मताधिकार की सुरक्षा, मतदाता सूची की पारदर्शिता और आम नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों को लेकर कांग्रेस ने अपने 'वोट बचाओ-देश बचाओ'अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंवाद की मुहिम तेज कर दी है, इसी कड़ी में 14 नवंबर को कोरिया जिले के भांडी मंडल एवं बंजारी ढांड में मंडल स्तरीय जन चौपाल का आयोजन किया गया,कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक देबासिस पटनायक,छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की,दोनों स्थानों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही, जन चौपाल के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, वोट चोरी के आरोपों और मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर संवाद किया,नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं,बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार को सुरक्षित रखने और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने से होती है।




**एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल**-जन चौपाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रमुख चर्चा का विषय रही, कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया,दोहरे पंजीकरण की आशंका,मतदाताओं के नामों में त्रुटियों तथा निर्वाचन आयोग की जवाबदेही से जुड़े विषयों को ग्रामीणों के सामने रखा, कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में होने वाले बदलावों को लेकर पर्याप्त पारदर्शिता जरूरी है,उन्होंने मांग की कि मतदाता सूची में किए गए संशोधनों का विस्तृत विवरण सार्वजनिक किया जाए,संदिग्ध विसंगतियों की स्वतंत्र एवं समयबद्ध जांच कराई जाए तथा जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची से छूट गए हैं, उन्हें नाम जुड़वाने और त्रुटियों में सुधार का पर्याप्त अवसर दिया जाए,नेताओं ने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना उसके लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित कर सकता है,इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया निष्पक्ष,पारदर्शी और जवाबदेह होनी चाहिए,उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की मतदाता सूची में दर्ज जानकारी की जांच करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार कराएं।

**महंगाई और जनहित के मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा**-मतदाता अधिकारों के साथ कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार को भी जनहित से जुड़े मुद्दों पर घेरा,जन चौपाल में बिजली की बढ़ती दरों,महंगी एलपीजी गैस और राशन कार्ड में कटौती जैसे विषयों को उठाया गया,कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महंगाई का सीधा असर गरीब, मध्यमवर्गीय और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ रहा है,बिजली बिल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है,वहीं राशन कार्ड में कटौती से जरूरतमंद परिवारों की परेशानियां बढ़ रही हैं,नेताओं ने इन समस्याओं के समाधान और आम जनता को राहत देने की मांग की,उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आम नागरिकों की बुनियादी जरूरतों और आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जनहित में निर्णय ले।

**ग्रामीणों से सीधा संवाद, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संदेश**-जन चौपाल का उद्देश्य केवल राजनीतिक मुद्दों को उठाना नहीं,बल्कि ग्रामीणों को मतदाता सूची और उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना भी रहा,कांग्रेस नेताओं ने ग्रामीणों से अपने मताधिकार के प्रति सजग रहने, मतदाता सूची में नाम की जांच करने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष आपत्ति दर्ज कराने की अपील की, नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का महत्व है,किसी भी पात्र नागरिक को उसके मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए,मतदाता सूची की शुद्धता और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है।

**बंजारी ढांड में अशोक जायसवाल के नेतृत्व में हुआ आयोजन**-बंजारी ढांड में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम की जिम्मेदारी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जाय सवाल के नेतृत्व में निभाई गई, उनके नेतृत्व में कार्यक्रम के आयोजन एवं व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई, कार्यक्रम की सफलता के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने अशोक जायसवाल को धन्यवाद देते हुए आयोजन में उनकी भूमिका की सराहना की,इससे कार्यक्रम में स्थानीय संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी भी सामने आई,जन चौपाल में AICC पर्यवेक्षक देबासिस पटनायक,नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत,सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत,सूरज महंत, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता,पूर्व विधायक अंबिका सिंह देव,पूर्व विधायक गुलाब कमरो,पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल,पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर,यवत सिंह, संयुक्त महामंत्री वेदांती तिवारी,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, महामंत्री बृजवासी तिवारी,भूपेंद्र यादव, अजय सिंह, दीपक गुप्ता,हेमसागर यादव, मुख्तार अहमद,ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े,आशीष यादव,लल्ला, अजीत लकड़ा,रामकृष्ण साहू,राजू भगत, विजय सिंह,सौरभ गुप्ता,संगीता राजवाड़े, रविशंकर राजवाड़े,विकास श्रीवास्तव,धीरज सिंह, रियाजुद्दीन, चंद्रप्रकाश राजवाड़े,अनिल जायसवाल, जाग्रत कुर्रे,रामायण सिंह,दिलबुधु यादव, रामकुमार यादव,आशीष डबरे, विकास शिवहरे, वसीम खान,अंकित गुप्ता, गुड्डू शिवराम, कैलाश,आकाश खटीक, भूगा खटीक, बसंत सिंह,रामसाय सोरी, इंद्रदेव पांडे,धीरज शिवहरे एवं लालदास महंत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी,कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

**मतदाता अधिकारों को लेकर गांव-गांव तक संवाद की तैयारी**-भांडी मंडल और बंजारी ढांड में आयोजित जन चौपाल के माध्यम से कांग्रेस ने मतदाता सूची की पारदर्शिता और मताधिकार की सुरक्षा को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी बात रखी,पार्टी नेताओं ने इस अभियान को लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान की रक्षा से जुड़ा जनजागरूकता अभियान बताते हुए आम नागरिकों से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की,अब देखना होगा कि इस अभियान के माध्यम से उठाए गए मतदाता सूची संबंधी सवालों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर आगे संगठन किस तरह की पहल करता है।

CMYK



## वो हीरोइन,जिसके प्यार में पागल था डायरेक्टर,श्रीदेवी-माधुरी को टक्कर देने वाली एक्ट्रेस अब कहां?

80-90 के दशक की वो एक्ट्रेस जिसने श्रीदेवी और माधुरी जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों को टक्कर दी थी और सनी देओल-अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया था। 80-90 के दशक में जब श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित जैसी एक्ट्रेसेस फिल्मों में छाई हुई थीं इसी बीच एक और अभिनेत्री बॉलीवुड में अपने पांव जमाने की कोशिश कर रही थीं। उनकी खूबसूरती और टैलेंट इतना जबरदस्त था कि दर्शकों के साथ-साथ इंडस्ट्री के लोग भी उनके फैन थे।

**श्रीदेवी और माधुरी को देती थीं टक्कर**

यहां तक कि एक डायरेक्टर तो उन्हें दिल तक दे बैठे थे। इतना ही नहीं वे श्रीदेवी और माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों को टक्कर भी देती थीं। फिल्मों में सफल होने के बावजूद उन्होंने एक वक्त के बाद इंडस्ट्री छोड़ दी और शादी के बाद विदेश में बस गई। वो एक्ट्रेस है मीनाक्षी शेषाद्री जो 80-90 के दशक की बेहद सफल और लोकप्रिय एक्ट्रेसेस में शामिल थीं।

**सनी देओल और अमिताभ बच्चन संग किया काम**

मीनाक्षी ने अपने करियर में दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन और सनी देओल संग काम किया। उन्होंने सनी देओल के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों खासकर घायल,दामिनी और घातक में काम किया। इसके अलावा,उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ शहंशाह (1988),गंगा जमुना सरस्वती(1988),तूफान (1989) और अकेला (1991) जैसी फिल्मों में भी काम किया।

**एक्ट्रेस के प्यार में पागल थे डायरेक्टर**

मीनाक्षी की खूबसूरती और अदाकारी के लाखों फैंस तो थे ही उनकी एक फिल्म डायरेक्टर भी उन्हें दिल दे बैठे थे। दरअसल ये किस्सा है फिल्म घायल का जो 1990 में रिलीज हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शूटिंग के दौरान निर्देशक राजकुमारी संतोषी को मीनाक्षी से प्यार हो गया था। इसके बाद उन्होंने मीनाक्षी को शादी के लिए प्रपोज किया लेकिन एक्ट्रेस ने उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके बाद फिल्म दामिनी की शूटिंग के दौरान भी दोनों के बीच कुछ अनबन रही और डायरेक्टर ने उन्हें फिल्म से हटाकर किसी और हीरोइन को लेना चाहा। हालांकि इस विवाद में फिर फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने हस्तक्षेप किया और इस मामले को सुलझाया। बाद में दामिनी में मीनाक्षी ने ही काम किया।

**एक्टिंग छोड़ विदेश में बसी एक्ट्रेस**

मीनाक्षी ने 1995 में इन्वेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूर से शादी करने के बाद सिनेमा से संन्यास ले लिया। उन्होंने न्यूयॉर्क में एक सिविल वेडिंग की और अपनी शादी को रजिस्टर करवाया। इस कपल के दो बच्चे हैं - एक बेटी और एक बेटा। मीनाक्षी टेक्सास के प्लानो में रहती थीं। वहां, वह भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी सिखाती थीं।
अपनी फिल्म घातक की रिलीज के बाद, वह अपने बच्चों की परवरिश के लिए अपने पति के साथ अमेरिका चली गईं, जहां वह चेरिश डांस स्कूल चलाती हैं। उनके जीवन पर मीनाक्षी एक्सेप्ट हर विंग्स नाम की एक डॉक्यूमेंट्री भी बनाई गई है।

# न शादी हुई,न पति,फिर अक्षरा सिंह ने लगाया सिंदूर, छठ पूजा में सूर्य को दिया अर्घ्य,वीडियो वायरल होते ही मचा बवाल

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह का पटना में छठ पूजा करते हुए वीडियो वायरल हो गया है। मांग में सिंदूर देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके अविवाहित होने पर सवाल उठाए और पब्लिसिटी के आरोप लगाए। भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनका कोई नया गाना या फिल्म नहीं,बल्कि छठ पूजा के दौरान सामने आया उनका एक वीडियो है। अभिनेत्री ने बिहार की राजधानी पटना के दीघा स्थित मीनार घाट पर छठ महापर्व के अनुष्ठान में हिस्सा लिया। इस दौरान वह पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देती नजर आईं। हालांकि,पूजा के दौरान उनके लुक और मांग में लगाए गए सिंदूर को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ यूजर्स ने उनके छठ व्रत करने पर सवाल उठाए, तो कुछ ने इसे धार्मिक आस्था के बजाय पब्लिसिटी से जोड़ दिया।

**छठ पूजा करते हुए वायरल हुआ अक्षरा सिंह का वीडियो**

अक्षरा सिंह का यह वीडियो छठ महापर्व के तीसरे दिन यानी रविवार, 15 नवंबर को सामने आया। अभिनेत्री पटना के दीघा स्थित मीनार घाट पर छठ पूजा के पारंपरिक अनुष्ठान करती दिखाई दीं। उन्होंने पानी में खड़े होकर पूजा की और छठी मैया तथा सूर्य देव की आराधना की। इस दौरान उनका पारंपरिक अंदाज भी देखने को मिला। वीडियो में अक्षरा के माथे पर नाक के सिरे से लेकर ललाट तक नारंगी रंग का सिंदूर लगा हुआ नजर आया।



यही बात सोशल मीडिया पर चर्चा का बड़ा कारण बन गई। दरअसल आमतौर पर इस तरह सिंदूर लगाने की परंपरा को विवाहित हिंदू महिलाओं से जोड़कर देखा जाता है। छठ पूजा के दौरान कई महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र,अच्छे स्वास्थ्य और वैवाहिक सुख-समृद्धि की कामना के लिए यह अनुष्ठान करती हैं।

**अविवाहित होने पर यूजर्स ने उठाए सवाल**

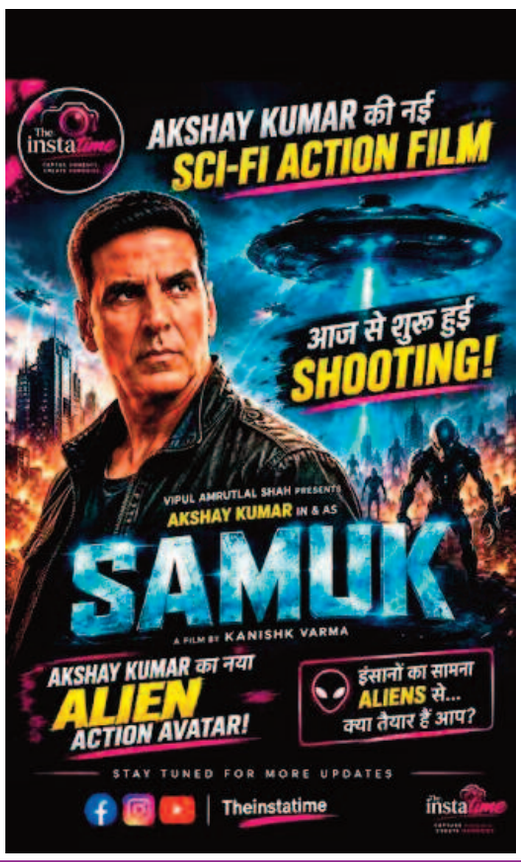
अक्षरा सिंह की वैवाहिक स्थिति को लेकर भी सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे। अभिनेत्री की शादी नहीं हुई है। ऐसे में कुछ यूजर्स ने पूछा कि जब वह अविवाहित हैं, तो उन्होंने इस तरह सिंदूर लगाकर छठ पूजा क्यों की। एक्स पर वायरल वीडियो के नीचे कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए लिखा,अविवाहित लड़कियां तो ऐसा नहीं करतीं, ऊपर से सिंदूर भी लगा रखा है। हर चीज को इन्हें फिल्मी करना है। वहीं, एक अन्य यूजर ने सवाल किया कि कोई अविवाहित महिला छठ पूजा का यह अनुष्ठान कैसे कर सकती है। कुछ लोगों ने यह भी पूछा कि क्या अभिनेत्री सिर्फ प्रचार पाने के लिए ऐसा कर रही हैं।

**पूजा को फोटोशूट बताकर भी हुई आलोचना**

सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने अक्षरा सिंह के पूजा करने के तरीके पर भी आपत्ति जताई। कुछ यूजर्स ने आरोप लगाया कि अभिनेत्री धार्मिक अनुष्ठान को भी फोटोशूट की तरह पेश कर रही हैं। एक टिप्पणी में लिखा गया, %फोटोशूट करवा रही है, इससे छठ कभी नहीं होगा।% वहीं, एक अन्य यूजर ने सवाल किया कि क्या यह पूजा केवल शादीशुदा महिलाएं ही करती हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर सभी प्रतिक्रियाएं आलोचनात्मक नहीं थीं। इस मामले में लोगों की अलग-अलग राय सामने आई है। जहां कुछ यूजर्स ने अभिनेत्री के पहनावे और सिंदूर को लेकर सवाल किए, वहीं इस पूरे विवाद के बीच उनकी धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत फैसले को लेकर भी चर्चा हो रही है।

**अक्षरा सिंह ने अब तक नहीं दी प्रतिक्रिया**

फिलहाल अक्षरा सिंह ने इस पूरे विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने न तो सोशल मीडिया पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया है और न ही छठ पूजा के दौरान सिंदूर लगाने के पीछे की वजह स्पष्ट की है। ऐसे में यह देखना होगा कि अभिनेत्री आगे इस मामले पर अपनी बात रखती हैं या नहीं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हैं। वह फिल्मों, म्यूजिक वीडियो और रियलिटी शोज के जरिए अपनी पहचान बना चुकी हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है।




# अक्षय कुमार का खतरनाक अवतार

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपनी नई साइंस फिक्शन फिल्म समुक को लेकर चर्चा में आ गए हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसके दो नए मोशन पोस्टर रिलीज किए हैं। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। विपुल शाह की यह फिल्म एक खूंखार दैत्याकार शिकारी के खिलाफ इंसानियत की लड़ाई पर आधारित है। फिल्म के मोशन पोस्टर और बैकग्राउंड ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर प्रशंसकों के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कई फैंस तो पोस्टर देखने के बाद ही इसे सुपरहिट बता रहे हैं। अक्षय कुमार अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के लिए जाने जाते हैं। एक्शन, कॉमेडी और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों के बाद अब उनकी नई साइंस फिक्शन फिल्म दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। समुक के जरिए दर्शकों को एक ऐसी कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें इंसानियत का सामना एक खतरनाक और विशालकाय शिकारी से होगा।

**समुक के दो नए मोशन पोस्टर हुए रिलीज**

अक्षय कुमार की आगामी फिल्म समुक के निर्माताओं ने दो नए मोशन पोस्टर जारी कर फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। इन पोस्टरों में फिल्म की रहस्यमयी दुनिया और उसके खतरनाक माहौल की झलक देखने को मिलती है। पोस्टरों के साथ इस्तेमाल किए गए बैकग्राउंड ने भी प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया है।मोशन पोस्टर किसी फिल्म की कहानी और उसके माहौल की शुरुआती झलक दर्शकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। समुक के नए पोस्टरों के जरिए निर्माताओं ने फिल्म की साइंस फिक्शन थीम और इंसानियत के सामने आने वाले बड़े खतरे की ओर इशारा किया है।फिल्म की कहानी एक ऐसे दैत्याकार शिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके खिलाफ इंसानों को संघर्ष करना होगा। यही विषय फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर रहा है।

**खूंखार दैत्याकार शिकारी से इंसानियत की जंग**

समुक की कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू एक खूंखार और विशालकाय शिकारी के खिलाफ इंसानियत की लड़ाई है। फिल्म में एक ऐसे खतरे को केंद्र में रखा गया है, जिसका सामना करना इंसानों के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा।साइंस फिक्शन फिल्मों में अक्सर ऐसी काल्पनिक परिस्थितियों को दिखाया जाता है, जिनमें इंसानों को असाधारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। समुक भी इसी तरह की एक कहानी लेकर आ रही है। फिल्म का विषय दर्शकों को रोमांच, रहस्य और संघर्ष से भरी दुनिया की ओर ले जाने वाला है।फिल्म में दिखाया जाने वाला दैत्याकार शिकारी आखिर कितना खतरनाक होगा और इंसानियत उसके खिलाफ किस तरह मुकाबला करेगी,इसे लेकर दर्शकों के मन में कई सवाल हैं। फिल्म की कहानी के विस्तृत खुलासे का इंतजार किया जा रहा है। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार कहे जाने वाले अक्षय कुमार की फिल्मों का उनके प्रशंसकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में विभिन्न शैलियों की फिल्मों में काम किया है। अब समुक के जरिए वह साइंस फिक्शन की दुनिया में एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने आने वाले हैं। फिल्म के मोशन पोस्टर रिलीज होने के बाद प्रशंसकों के बीच इसकी चर्चा तेज हो गई है। पोस्टर और बैकग्राउंड से प्रभावित होकर कई फैंस फिल्म की सफलता को लेकर उत्साह जाहिर कर रहे हैं। कुछ प्रशंसक तो अभी से इसे सुपरहिट बता रहे हैं।हालांकि किसी भी फिल्म की वास्तविक सफलता उसकी रिलीज के बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन से तय होती है।

## खेल-समाचार

# आंद्रीवा ने19 साल की उम्र में जीता डब्ल्यूटीए फाईनल्स

**कैलिफोर्निया,16 नवम्बर 2026।** रूस की युवा टेनिस खिलाड़ी मिर्रा आंद्रीवा ने महिला टेनिस की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता डब्ल्यूटीए फाइनल्स 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। महज 19 साल की उम्र में आंद्रीवा ने फाइनल मुकाबले में यूक्रेन की अनुभवी खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5,6-3 से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। कैलिफोर्निया के इंडियन वेल्स में खेले गए खिताबी मुकाबले में आंद्रीवा ने एक घंटे और 48 मिनट में जीत दर्ज की। इस उपलब्धि के साथ वह वर्ष 2004 में मारिया शारापोवा की खिताबी जीत के बाद डब्ल्यूटीए फाईनल्स की सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं। आंद्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाईनल्स एकल टूर्नामेंट में बिना कोई सेट गंवाए खिताब जीतकर महिला टेनिस में अपनी बढ़ती ताकत का परिचय दिया है।



# जय शाह लगातार दूसरी बार निर्विरोध आईसीसी चेयरमैन

**यह पद संभालने वाले 5वें भारतीय, शशांक मनोहर दो बार चेयरमैन रहे**

**दुबई,16 नवम्बर 2026।** जय शाह लगातार दूसरी बार इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन बने हैं। आईसीसी के बोर्ड और कमेटी की बैठकों में उन्हें निर्विरोध चुना गया।इंडोनेशिया के बाली में हुई बैठक में डायरेक्टर्स ने जय शाह को फिर चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव दिया था। जय शाह लगातार दो बार यह पद संभालने वाले दूसरे भारतीय हैं। आईसीसी चेयरमैन के रूप में काम करना बड़ी जिम्मेदारी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करता रहूंगा। 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हमारे लिए नए दर्शकों तक पहुंचने का बड़ा मौका है। हमें क्रिकेट का भविष्य मजबूत बनाना है। इसके लिए खिलाड़ियों, फैंस, कमर्शियल पार्टनर्स और खेल से जुड़े सभी लोगों के हितों का ध्यान रखना होगा।

**शाह 2 साल पहले पहली बार चेयरमैन बने थे शाह**

जय शाह 2024 में पहली बार आईसीसी के चेयरमैन बने थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले की जगह ली थी। 36 साल के जय शाह आईसीसी के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने थे। आईसीसी चीफ को 2015 से पहले तक प्रेसिडेंट कहा जाता था। इसके बाद से इसे चेयरमैन कहा जाने लगा।



लगातार दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन बनने वाले दूसरे भारतीय जय शाह आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। उनसे पहले जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर यह पद संभाल चुके हैं। शशांक मनोहर लगातार 2 बार आईसीसी चेयरमैन रहे हैं। शशांक ने नवंबर 2015 से मई 2016 तक बीसीसीआई प्रेसिडेंट रहते हुए अंतरिम चेयरमैन के रूप में यह जिम्मेदारी संभाली थी। फिर वे मई 2016 में आईसीसी चेयरमैन चुने गए। वे मई 2018 में दोबारा निर्विरोध चुने गए। उन्होंने 30 जून 2020 को दूसरा कार्यकाल पूरा किया।

**अहमदाबाद क्रिकेट बोर्ड से शुरुआत, 17 साल से क्रिकेट में सक्रिय हैं**

जय शाह ने 2009 में अहमदाबाद के केंद्रीय क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बने थे। सितंबर 2013 में वे गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव बने।2015 में बीसीसीआई की वित्त समिति के सदस्य बने। 2019 में पहली बार बीसीसीआई के सेक्रेटरी बने। उसके बाद 2022 में दोबारा आईसीसी के सेक्रेटरी चुने गए। शाह 2021 में एशियन क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट बने। जनवरी 2024 में उन्हें दोबारा आईसीसी प्रेसिडेंट चुना गया। 2022 में वह इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के फाइनेंस एंड कॉर्मशियल अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन नियुक्त किए गए। उन्हें ओलिंपिक गेम्स के लिए आईसीसी ओलिंपिक वर्किंग ग्रुप का मेंबर भी बनाया गया।

---

**न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0**

रा0प्र0क...अ/20(3)/2026-27

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक आदित्य सिंह देव आ. मार्तण्ड सिंह देव जाति क्षत्रिय उम्र 31 वर्ष व अन्य 04 निवासी उत्तरी रिंग रोड़ बौरीपारा,अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर - 04 मोहल्ला - बौरीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 2033 2034/1 रकबा 0.02, 0.19 एकड़ भूमि में से रकबा 0.89 डिसमिल (35.6 वर्गमीटर) को अनावेदक / केता रामानंद बंसल आ. दिलीप बंसल, निवासी बौरीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रति सहित प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 18.11.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

---

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0**

**रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26**

**ईश्तहार**

आगामी तिथि 29/11 / 2026 इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक मंजू अग्रवाल पति मनोज अग्रवाल निवासी मेन रोड सूरजपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2140/5 रकबा क्रमश- 720 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है। जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है ।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था/विभाग को कोई दावा/ आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/11/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 21/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नजूल अधिकारी सूरजपुर

---

**गुमसूदगी सूचना**



मैं सुखनाथ सिंह आ0 राम साय आयु 32 वर्ष,निवासी ग्राम बांधपारा मानी, पोस्ट-डेडरी,आधार पोस्ट-डेडरी,थाना, तहसील एवं जिला-सूरजपुर (छ0ग0) यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ और शपथकर्ता लापता व्यक्ति रामसाय का पुत्र हूँ। लापता व्यक्ति श्री रामसाय पिछले 08 वर्षों से दिनांक 23.01.2019 अचानक बिना बताए घर से लापता / गुमसुदा है। गुमसुदा के संबंध में पुलिस थाना सूरजपुर में प्रथम सूचना रिपोर्ट क्रमांक दिनांक 04.02.2019 दर्ज आवेदन गुमशुदा कराई गई थी जिसकी प्रति इस आवेदन के साथ संलग्न है। हमने लापता व्यक्ति को खोजने के लिए अपने स्तर पर रिश्तेदारों मित्रो और आसपास के क्षेत्रों में काफी प्रयास किया परंतु उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। पुलिस द्वारा की गई छानबीन के बाद भी उक्त लापता व्यक्ति का कोई पता नहीं चला है और पुलिस की अंतिम रिपोर्ट दिनांक 03.10.2026 प्राप्त हुआ। लापता व्यक्ति को लगातार 7 वर्ष या उससे अधिक समय बीत चुका हैं और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 108 के तहत उनके जीवित होने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। इस शपथ पत्र में लिखी गई सभी बातें मेरी व्यक्तिगत जानकारी के अनुसार सत्य हैं और इसमें कुछ भी छिपाया गया नहीं हैं ।

शपथग्रहिता
**सुखनाथ सिंह**

---

**छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ जिला शाखा अम्बिकापुर**

**(कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर अम्बिकापुर)**

**/ / संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना / /**

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अम्बिकापुर के परिसर में फोटोकॉपी व्यवसाय एवं सायकल स्टैण्ड व्यवसाय चलाने के इच्छुक एवं सक्षम निविदाकर्ता से बंद लिफाफा में शर्तानुसार निविदा निर्धारित प्रपत्र अनुसंलग्नक-ए में आमंत्रित है। फोटोकॉपी व्यवसाय एवं सायकल स्टैण्ड व्यवसाय संचालन हेतु इच्छुक व्यक्ति/संस्थान उक्त व्यवसाय संचालन हेतु निविदा के प्रारूप एवं शर्तो के विस्तृत जानकारी कार्यालय नोटिस बोर्ड पर या जिला न्यायालय अम्बिकापुर के वेबसाईट https://surguja.dcourts.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

निविदा जमा करने की प्रारंभिक तिथि - 17.11.2026
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27.11.2026
निविदा खोले जाने की तिथि - 28.11.2026 को प्रातः10:30 बजे
निविदा खोले जाने का स्थान - अध्यक्ष, संचालन समिति या वरिष्ठ न्यायाधीश जिला न्यायालय परिसर अम्बिकापुर।

**अध्यक्ष**
छत्तीसगढ़ न्यायिक कर्मचारी संघ
जिला शाखा अम्बिकापुर छ0ग0

---

**नाम परिवर्तन सूचना**

**प्ररूप-(एक)**

मैं राहुल पटेल (माता / पिता / पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री लाल बहादुर पटेल गाँव/ शहर - निवासी मकान नं. 06, गांधीनगर थाना के पास, गांधीनगर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छत्तीसगढ़,राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र / सुपुत्री का नाम शिव नारायण पटेल (SHIVA NARAYAN PATEL) (पुराना नाम) से बदल कर शिवांश पटेल (SHIVANSH PATEL) (नया नाम) रख लिया हैं।

**पालक**
**राहुल पटेल**
गांधीनगर,अम्बिकापुर,
जिला- सरगुजा, छत्तीसगढ़,

CMYK

## हाईकोर्ट का बड़ा फैसला...रिटायरमेंट के बाद भी सरकारी कर्मचारी से वसूल सकते हैं अतिरिक्त वेतन की रकम



**बिलासपुर,16 नवम्बर 2026।** हाईकोर्ट ने कहा है कि वेतन निर्धारण में गलती के कारण सरकारी कर्मचारी को किए गए अतिरिक्त भुगतान की वसूली सेवानिवृत्ति के बाद भी की जा सकती है। हालांकि,असाधारण आर्थिक कठिनाई की स्थिति में राहत मिल सकती है, लेकिन इसके लिए कर्मचारी को अपनी कठिनाई का दावा करने के साथ उसे साक्ष्यों से साबित भी करना होगा। जस्टिस बिभु दत्त गुरु ने उच्च शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त लेखाकार उमेश पाठक की याचिका खारिज करते हुए उनके सेवानिवृत्ति लाभों से अतिरिक्त भुगतान 1 लाख 56 हजार,865 रुपये की वसूली का आदेश बरकरार रखा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सुनवाई का अवसर नहीं देने के कारण पहले वसूली आदेश को रद्द किए जाने का अर्थ यह नहीं है कि विभाग दोबारा वसूली का आदेश नहीं दे सकता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि कानूनी अधिकार के बिना किए गए अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जा सकती है। हालांकि,अत्यधिक आर्थिक कठिनाई जैसी कुछ अपवादपूर्ण परिस्थितियों में राहत संभव है। बेंच ने पाया कि याचिकाकर्ता ने असाधारण आर्थिक कठिनाई दिखाने के लिए बैंक खाते या संपत्ति से संबंधित कोई विवरण अथवा अन्य सामग्री पेश नहीं की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि हाईकोर्ट द्वारा पहले वसूली आदेश को रद्द किए जाने के बाद विभाग उसी राशि की वसूली के लिए नया आदेश जारी नहीं कर सकता। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि पहले आदेश में इस प्रश्न का अंतिम निर्णय नहीं किया गया था कि कथित अतिरिक्त भुगतान की किसी भी परिस्थिति में वसूली नहीं की जा सकती।

### छत्तीसगढ़ पटवारी-राजस्व निरीक्षक पेपर लीक मामला

## ईओडब्ल्यू ने 2 आरोपी को दिल्ली से किया गिरफ्तार,8 दिन की रिमांड पर पूछताछ करेगी टीम



**रायपुर,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ में पटवारी से राजस्व निरीक्षक (राजस्व निरीक्षक) बनने के लिए आयोजित विभागीय परीक्षा का पेपर लीक करने के मामले में ईओडब्ल्यू ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को दिल्ली से पकड़कर रायपुर लाया गया। सोमवार को विशेष न्यायालय में पेश करने के बाद कोर्ट ने उन्हें 23 नवंबर तक 8 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मध्यप्रदेश के भिंड जिले के रहने वाले वीर सिंह जाटव (35) और अरविंद जाटव (41) के रूप में हुई है। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, दोनों ने परीक्षा की प्रश्नपत्र छपाई समिति से जुड़े आरोपी वीरेन्द्र जाटव के साथ मिलकर पेपर लीक करने की साजिश रची थी। आरोप है कि परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों तक पहुंचा दिया गया और इसके बदले उनसे मोटी रकम वसूली गई। ईओडब्ल्यू ने 15 नवंबर को कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में दोनों आरोपियों की पहचान परेड कराई थी। इसमें परीक्षा में शामिल हुए पटवारियों ने दोनों की पहचान की। पटवारियों ने बताया कि इन्हीं लोगों ने उन्हें लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया था। साथ ही पेपर से तैयारी करने के लिए जगह भी उपलब्ध कराई थी और इसके बदले पैसे लिए थे। पटवारियों को आरआई प्रशिक्षण के लिए चुनने के लिए 7 जनवरी 2024 को विभागीय परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके परिणाम के आधार पर 216 अभ्यर्थियों का चयन हुआ था।

## लोक सेवा गारंटी अधिनियम में संशोधन!

## 7 सेवाओं के लिए निश्चित समय-सीमा तय




**रायपुर,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ सरकार ने राजस्व विभाग से जुड़ी सेवाओं को लेकर बड़ा बदलाव किया है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के तहत राजस्व विभाग की अधिसूचना में संशोधन किया है। इसके तहत जमीन का सीमांकन, नजूल पट्टे का नवीनीकरण,भूमि अंतरण की अनुमति और बंदोबस्त त्रुटि सुधार सहित कई महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस संबंध में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 13 नवंबर 2026 को छत्तीसगढ़ राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित की है। इस संशोधन के तहत राजस्व विभाग की कुल 7 सेवाओं से संबंधित प्रावधानों में बदलाव किया गया है। इनमें आवेदन की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज, सेवा प्रदान करने की समय-सीमा और जिम्मेदार अधिकारियों के पदनाम निर्धारित किए गए हैं।

### प्राकृतिक आपदा में मृत्यु या शारीरिक क्षति पर आर्थिक सहायता

**राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के तहत प्राकृतिक आपदा के कारण शारीरिक अंग की हानि या मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए 30 कार्य दिवस की समय-सीमा तय की गई है। इसके लिए कलेक्टर कार्यालय जिम्मेदार होगा।**

### जमीन का सीमांकन

**तहसील कार्यालय में भूमि सीमांकन के लिए 35 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए नायब तहसीलदार, तहसीलदार या अतिरिक्त तहसीलदार जिम्मेदार होंगे।**

### नजूल पट्टे का नवीनीकरण

नजूल पट्टे के नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 60 कार्य दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस सेवा के लिए नजूल अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

### भूमि अंतरण की अनुमति

छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 165 (7-ख) के तहत भूमि के अंतरण की अनुमति देने के लिए 90 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए कलेक्टर जिम्मेदार होंगे।

### राजस्व न्यायालय में विवादित मूल मामले

राजस्व न्यायालय से संबंधित विवादित श्रेणी के मूल मामलों के निराकरण के लिए 90 कार्य दिवस की समय-सीमा तय की गई है। संबंधित न्यायालय के पीठासीन अधिकारी इसकी जिम्मेदारी संभालेंगे।

### बंदोबस्त त्रुटि में सुधार

तहसील कार्यालय में बंदोबस्त संबंधी त्रुटियों के सुधार के लिए 30 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। वहीं,कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) स्तर पर इस प्रक्रिया के लिए 90 कार्य दिवस की समय-सीमा तय की गई है।

### गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी में शामिल हुए मुख्यमंत्री, भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का किया अनावरण

# जनजातीय नायकों का साहस,संघर्ष और बलिदान हमारी राष्ट्रीय चेतना और गौरवशाली इतिहास का अमूल्य हिस्सा : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर,16 नवम्बर 2026।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय वीर नायकों का संघर्ष और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। इन महानायकों ने न केवल मातृभूमि की आजादी के लिए संघर्ष किया,बल्कि अपनी संस्कृति,परंपराओं,स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए भी अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन हमें साहस,एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय आज बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संघर्ष में जनजातीय नायकों का योगदान विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर विश्व विद्यालय परिसर में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने जनजातीय वीथिका का अवलोकन कर जनजातीय वीर नायकों के जीवन,संघर्ष और बलिदान पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने मात्र 25 वर्ष के जीवन में अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित किया और उलगुलान आंदोलन के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। उनका साहस, स्वाभिमान और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती जनजातीय वीरों के साहस और बलिदान की साक्षी रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूखी जनता की सहायता के लिए संघर्ष किया और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई। इसी प्रकार अनेक जनजातीय नायकों ने देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इन महानायकों की गौरवगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाना आवश्यक है, ताकि हमारे युवा अपने इतिहास और संस्कृति पर गर्व कर सकें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनकी 151वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों,महाविद्यालयों और विकासखंड स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को जनजातीय नायकों के जीवन और योगदान से परिचित कराया जा रहा है।




### जनजातीय समाज की संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ विकास को प्राथमिकता

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति,परंपराएँ और जीवन मूल्य छत्तीसगढ़ की पहचान हैं। हमारी सरकार इन्हें सहेजने के साथ ही जनजातीय परिवारों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार और आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जनजातीय बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के लगभग साढ़े छह हजार गाँव शामिल हैं। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों की बसाहटों तक सड़क,बिजली,रसोई गैस और सौर ऊर्जा जैसी बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाई जा रही हैं। राज्य सरकार ने जनजातीय समाज की परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था को सहेजने वाले मांझी,चालकी और बैगा का मानदेय भी बढ़ाया है।

### विश्वविद्यालय की सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पहलों की मुख्यमंत्री ने की सराहना...

मुख्यमंत्री साय ने गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में मात्र दस रुपये में भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था से लगभग ढाई हजार लोगों को लाभ मिल रहा है। स्थानीय उत्पादों के विक्रय और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के प्रयास भी सराहनीय हैं। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापना और राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस महान जनजातीय नायकों के साहस,संघर्ष और बलिदान को नमन करने का अवसर है। भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अंग्रेजी शासन के शोषण और अन्याय के विरुद्ध ऐतिहासिक उलगुलान आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और अपने अधिकारों की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों और बलिदानियों की भूमि है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन महत्वपूर्ण पहल है।

# शराब घोटाला : पूर्व सीएम के बेटे चैतन्य बघेल की बढ़ीं मुश्किलें,ईडी की संपत्ति कुर्की को मंजूरी...

**दुर्ग,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली स्थित प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के निर्णायक प्राधिकरण ने चैतन्य बघेल से जुड़ी करोड़ों रुपये की संपत्तियों को कुर्क करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के फैसले को सही ठहराते हुए उस पर अपनी मुहर लगा दी है। इस कार्रवाई के तहत 23 मार्च 2026 को जारी आदेश की प्रतियां चैतन्य बघेल के भिलाई-3 (दुर्ग) स्थित आवास' 1/7,मानसरोवर आवासीय परिसर' की बाहरी दीवार पर चस्पा की गई हैं। ईडी की जांच में सामने आया है कि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से कमाए गए काले धन को चैतन्य बघेल ने अपने रियल एस्टेट कारोबार और अन्य संपत्तियों में लगाया था। ईडी का दावा है कि वे इस शराब सिंडिकेट के शीर्ष पर थे और अवैध पैसों के लेन-देन का हिसाब रखते थे। ईडी ने 10 नवंबर 2025 को इन संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त करने का आदेश (पीएओ संख्या 08/2025) जारी किया था। इसके बाद 8 दिसंबर 2025 को प्राधिकरण में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई। 19 मार्च 2026 को हुई सुनवाई के बाद प्राधिकरण के सदस्य (वित्त) प्रदीप कुमार उपाध्याय ने माना कि घोटाले के पैसों के इस्तेमाल के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इससे पहले नवंबर 2025 में ईडी ने चैतन्य बघेल से जुड़ी कुल 61.20 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की थीं, जिनमें उनके 'विट्ठल ग्रीन्स' प्रोजेक्ट के प्लॉट भी शामिल थे। प्राधिकरण के हालिया आदेश के मुताबिक, 'मेसर्स विट्ठल डेवलपर्स' के मालिक चैतन्य बघेल की निम्नलिखित प्रमुख संपत्तियों की कुर्की को मंजूरी दी गई है:- भिलाई-3 (दुर्ग) में 1 करोड़ 64 लाख 87 हजार 721 रुपये की कीमत का एक प्लॉट/भवन, भिलाई में एक आवासीय घर और दुर्ग में एक कमर्शियल दुकान/प्लॉट। चैतन्य बघेल के नाम पर बैंक में जमा 41 लाख 20 हजार रुपये और 1 लाख रुपये की दो अलग-अलग फिक्स्ड डिपॉजिट। दुर्ग जिले की पाटन तहसील के ग्राम कुरुडीह में स्थित कई खेत (खसरा नंबर 136/14 से 136/25 आदि) भी जब्त किए गए हैं। हालांकि इस आदेश से चैतन्य बघेल को बड़ा झटका लगा है, लेकिन उनके पास अभी कानूनी विकल्प खुला है। आदेश के अनुसार,यदि वे इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं, तो आदेश मिलने के 45 दिनों के भीतर पीएमएलए अपीलीय न्यायाधिकरण में ऑनलाइन अपील कर सकते हैं।



## छत्तीसगढ़ के 27 हजार बूथों तक पहुंचेगी कांग्रेस,दीपक बैज बोले- प्रदेशभर में चलाया जाएगा 'वोट बचाओ,देश बचाओ' अभियान



**जगदलपुर,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ में वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस अब प्रदेशव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू कर चुका है, जहां 11 से 15 नवंबर तक मंडल स्तर पर चौपाल लगाकर जनता के बीच पहुंचे। वहीं अब 16 से 25 नवंबर तक प्रदेश के 27 हजार बूथों में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस इस अभियान के जरिए भाजपा सरकार और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जनता को अपने पक्ष से अवगत कराएगी। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने अभियान की रूपरेखा बताते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में वोट चोरी के खिलाफ मंडल स्तरीय चौपाल चल रहा है। 11 से लेकर 15 नवंबर तक यह चौपाल चलाया गया।

अब 16 से 25 नवंबर तक प्रदेश के 27 हजार बूथों में 'वोट बचाओ,देश बचाओ'अभियान चलाया जाएगा।

बैज ने कहा,छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पहले ही दिन पूरे प्रदेश के लगभग 170 मंडलों में बैठक हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी को लेकर 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान की शुरुआत की गई है।

## धमतरी में दो कारों से 131 किलो गांजा जब्त,महाराष्ट्र के 5 आरोपी गिरफ्तार



**धमतरी,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के धमतरी में पुलिस ने गांजा तस्करी के बड़े मामले में महाराष्ट्र के 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा से दो कारों में 131.668 किलो गांजा लेकर महाराष्ट्र जा रहे थे। पुलिस ने श्यामतराई नाका पर घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। दोनों कार और 5 मोबाइल समेत 72.45 लाख रुपए से ज्यादा का सामान जब्त किया गया है। पुलिस के मुताबिक, नशे के अवैध कारोबार और दूसरे राज्यों में गांजा तस्करी रोकने के लिए ऑपरेशन निश्चय चलाया जा रहा है। इसी दौरान साइबर थाना की टीम को सूचना मिली कि ओडिशा के जयपुर इलाके से दो कारों में गांजा भरकर महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। दोनों कारें चारामा के रास्ते धमतरी की ओर आ रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने श्यामतराई नाका पर घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद वहां नैनो और स्विफ्ट डिजायर कार पहुंची। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को रोककर तलाशी ली। इस दौरान दोनों कारों से कुल 131.668 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने पांचों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है,उनमें कुंदन उर्फ सचिन कैलाश ईगेडे (27), निवासी मलकापुर वागुढ़,जिला बुलढाना; रामेश्वर सालिक राम दांडगे (31),निवासी संभाजी नगर हाईवे रोड,जलगांव;राबिनसन लॉरेंस फर्नांडिस (32),लखन गुलाब बेलदार (34) और गणेश विजय पाटिल (29),निवासी वेललाडे,जिला जलगांव,महाराष्ट्र शामिल हैं।

# शिक्षा-मंत्री के बंगले का 11 दिन में दूसरी बार घेराव

## गाड़ी में बैठाकर ले गई पुलिस,2300 पदों पर कर रहे नियुक्ति की मांग

**रायपुर,16 नवम्बर 2026।** रायपुर में 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों ने 11 दिन के भीतर दूसरी बार शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले का घेराव किया। इससे पहले 5 नवंबर को भी अभ्यर्थियों ने मंत्री के बंगले में घुसकर धरना दिया था। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ बंगले के बाहर पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश कर रही है। इस दौरान कुछ लोगों को पुलिस गाड़ी में बैठाकर ले गई।

**11 महीने से कर रहे नियुक्ति की मांग :** डीएड अभ्यर्थी सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के शेष रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले 11 महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। उनका कहना है कि,लंबे समय से आंदोलन और कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद उनकी मांग पर फैसला नहीं हुआ है। इसी के विरोध में अभ्यर्थी लगातार अलग-अलग तरीकों से प्रदर्शन कर रहे हैं।



### सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला

**यह मामला साल 2023 की सहायक शिक्षक भर्ती से जुड़ा है। डीएड अभ्यर्थियों का कहना है कि बीएड अभ्यर्थियों की नियुक्तियां निरस्त होने के बाद खाली हुए पदों पर पात्र डीएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जानी थी। इसके बावजूद अब तक नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेशों का पालन कराने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि न्यायालय के आदेशों के बावजूद नियुक्ति नहीं मिलने से वे लगातार परेशान हैं।**

### कैंडल मार्च से दंडवत यात्रा तक कर चुके प्रदर्शन

नियुक्ति की मांग को लेकर अभ्यर्थी अब तक कैंडल मार्च, मौन धरना,दंडवत यात्रा और सांकेतिक प्रदर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा कई बार प्रशासन और सरकार को ज्ञापन भी सौंप चुके हैं। उनकी प्रमुख मांग 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति और भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के लिए निश्चित समय-सीमा घोषित करने की है।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले छत्तीसगढ़ के 50 बेलमेटल शिल्पकार

## कोंडागांव-रायगढ़ के कलाकारों ने बस्तर की ढोकरा कला और पारंपरिक कारीगरी की दी जानकारी

**रायपुर,16 नवम्बर 2026।** छत्तीसगढ़ के 50 बेलमेटल शिल्पकारों ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इनमें कोंडागांव और रायगढ़ के कलाकार शामिल थे। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड में पंजीकृत इन शिल्पकारों से मिलने की इच्छा जताई थी। इसी के बाद कलाकारों का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचा। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की पारंपरिक बेलमेटल कला और पीढ़ियों से चली आ रही कारीगरी को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर मिला। बेलमेटल शिल्प छत्तीसगढ़,खासकर बस्तर की पहचान है। इस कला में धातु से देवी-देवताओं,पशु-पक्षियों और लोकजीवन से जुड़ी आकृतियां तैयार की जाती हैं। बस्तर की प्रसिद्ध ढोकरा कला अपनी खास निर्माण शैली और बारीक कारीगरी के लिए जानी जाती है। कोंडागांव के कई परिवार पीढ़ियों से इस कला को आगे बढ़ा रहे हैं। बेलमेटल शिल्पकार पारंपरिक तरीके से धातु की आकृतियां तैयार करते हैं। इन कलाकृतियों में छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, लोकजीवन और परंपराओं की झलक मिलती है। शिल्पकारों के लिए राष्ट्रपति से मुलाकात अपनी कला और हुनर को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचाने का अवसर रही।





### राष्ट्रपति ने शिल्पकारों से मिलने की जताई थी इच्छा

छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत कोंडागांव और रायगढ़ के शिल्पकारों को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के लिए आमंत्रित किया गया था। राष्ट्रपति भवन में हुई इस मुलाकात में छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत और सचिव राजेश सिंह राणा भी मौजूद रहे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)